(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

बच्चे, भविष्य के लिए हमारी ...8

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

मंगलवार, 18 जनवरी 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 30 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

हरक सिंह रावत अपने परिवार के लोगों के लिए टिकट का दवाब बना रहे थेः धामी

देहरादून/नयी दिल्ली। आसन्न विधानसभा चुनाव से पहले कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निष्कासित किए जाने के बाद सोमवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दावा किया कि वह अपने और परिवार के लिए टिकट का दबाव बना रहे थे। धामी के अनुसार, पार्टी ने तय किया है कि एक परिवार से एक व्यक्ति को ही टिकट दिया जाएगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक के साथ नई दिल्ली से लौटने के बाद देहरादून में संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी ने हरक सिंह रावत को कोटद्वार मेडिकल कॉलेज सहित विकास के सभी मुददों पर हमेशा सम्मान दिया। उन्होंने कहा, ''हमारी पार्टी विकासवाद और राष्ट्रवाद पर चलने वाली पार्टी है,वंशवाद से दूर रहने वाली पार्टी है। हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।'' धामी ने कहा कि रावत की बातों से कई बार पार्टी असहज हुई है। उन्होंने कहा, ''लेकिन फिर भी...चूंकि हमारी बड़ी पार्टी है... हमारा बड़ा परिवार है, हमने हमेशा उनको साथ लेकर चलने की कोशिश की, लेकिन परिस्थितियां ऐसी हो गई थीं...वह खुद समेत अपने परिवार के और लोगों के लिए टिकट का दबाव बना रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए

परिवार को हम दो या तीन टिकट नहीं देंगे, क्योंकि हमारी पार्टी हमेशा इसके खिलाफ रही है।'' मुख्यमंत्री ने हालांकि इस बात से इंकार किया कि पार्टी में कहीं कोई फूट है या अन्य विधायक भी भाजपा छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई विधायक कहीं नहीं जा रहा है। पूर्व मंत्री रावत के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों के बीच भाजपा ने रविवार को उन्हें छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया था। पौड़ी गढवाल जिले की कोटद्वार विधानसभा सीट से विधायक रावत अपनी सीट बदलने के साथ ही अपनी पुत्रवधु अनुकृति के लिए भी भाजपा से टिकट मांग रहे थे। समझा जाता है कि इन मुददों पर भाजपा के राजी न होने पर वह कांग्रेस में शामिल होने की संभावनाएं टटोल रहे थे। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री रावत को, हुए भाजपा ने रविवार को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। उन्हें इससे पहले राज्य मंत्रिमंडल से भी बर्खास्त कर दिया गया था।

रावत उत्तराखंड मंत्रिमंडल में वन और श्रम मंत्री थे। रावत उन 10 कांग्रेस विधायकों में शामिल थे, जो वर्ष 2016 में तत्कालीन हरीश रावत सरकार के खिलाफ बगावत कर भाजपा में शामिल हुए थे। इधर, दिल्ली में मीडिया से बातचीत में रावत ने इस बात की पुष्टि कि निष्कासित करने का) किया। हमने तय किया है कि एक परिवार से एक व्यक्ति को ही टिकट दिया जाएगा। किसी भी अपनी पुत्रवधू को लैंसडाउन से टिकट देने पर विचार करने को कहा था। उन्होंने दावा किया उत्तराखंड में अगली सरकार कांग्रेस की बनेगी और वह कांग्रेस के लिए काम करेंगे। रावत ने यह भी कहा कि उन्हें पार्टी से निष्कासित किए जाने से पहले पार्टी नेतृत्व ने कोई बात नहीं की और उन्हें उनके निष्कासन की जानकारी सोशल मीडिया से मिली। इस प्रकार भाजपा से निकाले जाने पर वह भावुक भी हो गए।

अखिलेश पर योगी का हमला

अपराधियों–दंगाइयों को टिकट देकर उन्होंने बता दिया कि यह नई नहीं वही सपा है

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज गाजियाबाद में थे। गाजियाबाद में उन्होंने कोरोना वायरस वैक्सीनेशन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की और साथ ही साथ कई दिशा–निर्देश भी दिए। इसी दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रत्याशियों की सूची ने पुनरू सपा के वास्तविक चरित्र को प्रदर्शित कर दिया है। दंगाइयों, भूमाफियाओं और पेशेवर गुंडों को उम्मीदवार बना कर

इन्होंने बता दिया है कि ये नई नहीं ये वही सपा है। इसके साथ ही योगी ने दावा किया कि 10 मार्च को जब भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी तब यह अपराधी पहले की ही तरह फिर से बिल में घुस जाएंगे। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में कोरोनावायरस की तीसरी लहर नियंत्रण में है। प्रदेश में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य तेजी से चल रहा है। बेहतर प्रबंधन और दवाइयों की वजह से लोगों में फिलहाल गंभीर लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हैं। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को ऑक्सीजन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमने प्रदेश में 551 ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किए हैं। राज्य के प्रत्येक जिले में एक समर्पित एकीकृत कोविड नियंत्रण केंद्र है। वहीं योगी सराकर से मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि वैक्सीनेशन को कल 1 वर्ष पूरे हुए और दुनिया में प्रसन्नता व्यक्त की जा रही है कि भारत ने कोरोना को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया है। लेकिन कुछ नेता लोगों को गुमराह कर रहे है कि ये बीजेपी की वैक्सीन है जबकि उनके पिता मुलायम सिंह यादव ने चुपचाप वैक्सीन लगा ली। उन्होंने कहा कि कल मैंने उनकी (अखिलेश यादव) पत्नी डिंपल जी से अनुरोध किया कि आप अपने पति को भी वैक्सीन लगवा दीजिए ताकि जनता ये ना समझे कि ये कोरोना बढ़ाने वाले नहीं है बल्कि कोरोना बढ़ाने वाले लोग है।

तृणमूल कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं!

ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के बीच मनमुटाव,पोस्टर से गायब सीएम का चेहरा

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने ममता बनर्जी के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की उनकी टिप्पणी पर आलोचना की, जहां उन्होंने कहा कि बढ़ते कोविड –19 मामलों के मद्देनजर सभी राजनीतिक कार्यक्रमों और धार्मिक उत्सवों को रोक दिया जाना चाहिए। कल्याण ने कहा कि ममता की नीतियां पार्टी और पश्चिम बंगाल में अंतिम शब्द हैं। ममता बनर्जी से ज्यादा जनता क्या चाहती है, यह कौन समझेगा? पार्टी की नीतियां ममता बनर्जी तय करती हैं, राज्य की नीतियां ममता बनर्जी तय करती हैं। कल्याण बनर्जी ने कहा, प्रत्यक्ष

या परोक्ष रूप से कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिए, जिसमें ममता के हस्ताक्षर न हों। दोनों तरफ से चल रही जुबानी जंग से ये आसानी से देखा जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस के अंदर ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के सुर एक जैसे नहीं जान पड़ते हैं। दोनों के बीच बढ़ता विवाद अब स्पष्ट रूप से दिखायी देने लगा है। ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक के बीच चौतरफा जंग छिड़ी हुई है। डायमंड हार्बर में पोस्टरों से गायब ममता बनर्जी की तस्वीरें, इस ओर साफ इशारा कर रही हैं। यकीनन टीएमसी में ममता बनर्जी सबसे बड़ी नेता हैं। ऐसे में उनका चेहरा पोस्टरों में शामिल न होने से काफी पार्टी के अंदर मनमुटाव की अटकलों को हवा मिल गयी है। इस बारे में कुछ पोस्टरों को बीजेपी नेता अमित मालवीय ने ट्वीट किया और पार्टी के अंदर चल रही खींचतान की जानकारी दी।

अबू धाबी में टैंकर विस्फोट के पीछे ड्रोन हमला हो सकता हैः पुलिस

दुबई। अबू धाबी में तेल के तीन टैंकरों में ड्रोनों की मदद से विस्फोट किये गये हो सकते हैं और संभवतः इसकी वजह से सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात के मुख्य हवाई अड्डे के एक विस्तार पटल पर आग लगने की घटना सामने आई। पुलिस ने एक बयान में यह बात कही। अबू धाबी पुलिस ने हवाई अड्डे पर लगी आगको 'मामूली' बताया और कहा कि यह आग शहर के मुख्य विमानपत्तन के एक विस्तार पटल पर लगी, जो निर्माणाधीन है। बयान में अबू धाबी की सरकारी स्वामित्व वाली तेल कंपनी एडीएनओसी के एक भंडारण केंद्र के पास तीन पेट्रोलियम टैंकरों में विस्फोट की एक अलग घटना की भी जानकारी दी गयी। अबू धाबी पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच मेंछोटी–छोटी उड़ने वाली वस्तुओं के दोनों इलाकों में गिरने का पता चला है, जो संभवतरू ड्रोन से संबंधित हो सकती हैं। इनसे विस्फोट और आग की घटना को अंजाम दिया गया हो सकता है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस ने इससे ज्यादा जानकारी नहीं दी। इस बीच, यमन के हूती विद्रोहियों ने संयुक्त अरब अमीरात में हमला करने का दावा किया है। यूएई और यमन के बीच 2015 से संघर्ष चल रहा है। हूती के सैन्य प्रवक्ता याहिया सरेई ने कहा कि उनके समूह ने यूएई में अंदर तक हमला किया है। सरेई ने ज्यादा जानकारी नहीं देते हुए कहा कि जल्द ही एक बयान जारी किया जाएगा।

चरणजीत सिंह चन्नी ने प्रधानमंत्री से कहा, 'तुम सलामत रहो कयामत तक, खुदा करे कि कयामत ना हो'

नयी दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पिछले दिनों राज्य के दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर बृहस्पतिवार को खेद प्रकट किया और उनकी सलामती की कामना करने के लिए उन्होंने एक शेर भी पढ़ा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक कोविड–19 की स्थिति पर समीक्षा के लिए प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई गई मुख्यमंत्रियों की बैठक के दौरान चन्नी ने उनके दीर्घायु होने की कामना करते हुए शेर सुनाया। सूत्रों के मुताबिक चन्नी ने मोदी से कहा कि उनके पंजाब दौरे के दौरान जो कुछ भी हुआ उसका उन्हें खेद है क्योंकि देश का प्रधानमंत्री होने के नाते वह उनके लिए बहुत सम्मानित हैं। उन्होंने कहा, ''तुम सलामत रहो कयामत तक और खुदा करे कि कयामत ना हो।'' ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा चूक के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आक्रामक रवैया अपना रखा है और इसके लिए वह सीधे तौर पर पंजाब सरकार को दोषी ठहरा रही है। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस और पंजाब सरकार पर प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश रचने तक का आरोप लगाया है। चन्नी पहले भी इस घटना को लेकर खेद जता चुके हैं लेकिन साथ ही वह यह भी कहते रहे हैं कि प्रधानमंत्री की जान को कोई खतरा नहीं था। कुछ मौकों पर तो उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री का मजाक भी उड़ाया।

भारत में कोविड वैक्सीनेशन का एक वर्ष : विश्व का सबसे बड़ा और सबसे तेज टीकाकरण अभियान : भाजपा

शिमला। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश शर्मा एवं सह प्रभारी कर्ण नंदा ने कहा कि ठीक एक साल पहले , भारत ने भयंकर कोविड महामारी के बीच अपने 135 करोड़ से अधिक लोगों को टीका लगाने की कठिन यात्रा शुरू की थी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में असंभव सा लगने वाला कार्य संभव हुआ, इस कार्य के लिए पूरी दुनिया ने मुक्त कंठ से हमारी सराहना की । ये माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जिनके नेतृत्व में हमारे वैज्ञानिकों, उद्यमियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और हेल्थ वर्कर्स के एकजुट प्रयास से भारत ने वैक्सीनेशन के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा है । भाजपा नेताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी तमाम मुश्किलों पर

विजय प्राप्त करते हुए दुनिया के सबसे बड़ेऔर सबसे तेज टीकाकरण के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को साधुवाद देती है और हमारे वैज्ञानिकों , उद्यमियों , फ्रंटलाइन वर्कर्स और हेल्थ वर्कर्स के अतुलनीय परिश्रम की पराकाष्ठा को नमन करते हुए उन्हें बधाई देती है । उन्होंने कहा कि देश में कोरोना वैक्सीनेशन ड्राइव का एक साल 16 जनवरी पूरा हो गया , अब तक 157 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज एडमिनिस्टर हो गए हैं , आज लगभग 66 करोड़ लोग पूरी तरह से वैक्सीनेटेड हैं । 91 करोड़ लोगों को फर्स्ट डोज लगाया जा चुका है । उन्होंने कहा कि पिछले साल 2021 के जनवरी महीने की 16 तारीख को कोरोना टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई थी । इसका मतलब हर दिन औसतन 43 लाख डोज लगाई गई। उन्होंने कहा कि 76 करोड़ से अधिक महिलाओं को वैक्सीन लगाई जा चुकी है । ग्रामीण इलाकों में कोविड टीकाकरण केंद्रों में 99 करोड़ डोज दी गई । इसके अलावा 3 लाख 69 हजार से ज्यादा वैक्सीन की डोज ट्रांसजेंडर्स को लगाई गई । इसके साथ ही , फ्रंटलाइन वर्कर्स , स्वास्थ्यकर्मी और 60 से ऊपर के बुजुर्गों को बूस्टर डोज भी लगने लगी है । अब तक 67 लाख से ज्यादा ऐसे लोगों को वैक्सीन लगाई गई है जिनके पास पहचान पत्र नहीं था । जेल में अब तक 6 लाख से ज्यादा कैदियों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है । वहीं आदिवासी जिलों में 11 करोड़ से अधिक लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा चुका है । वहीं नियर टू होम कोविड वैक्सीनेशन सेंटर्स के दौरान 40 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज दी गई । 15 से 17 साल के बच्चों के लिए वैक्सीनेशन शुरू होने के बाद पहले 10 दिनों के अंदर 3 करोड़ से अधिक बच्चों को पहली डोज लगाई गई । अब तक 15 से 17 साल के 3.31 करोड़ बच्चों को पहली डोज लगाई जा चुकी है । उन्होंने कहा अभियान के लिए सितंबर का महीना सबसे अच्छा रहा था , जिसमें करीब 24 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाई गई थी । 1 दिसंबर से रोजाना औसतन 68 लाख लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है । पिछले साल 25 करोड़ वैक्सीन 36 दिनों के रिकॉर्ड समय में लगाए गए थे ।

मुट्ठी में गेहूं–चावल लेकर अखिलेश ने लिया भाजपा को हराने का अन्न संकल्प, किए यह बड़े वादे

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी अब किसानों को साधने में जुट गई है। इसी कड़ी में आज अखिलेश यादव ने अन्न संकल्प लिया। मुट्ठी में गेहूं और चावल लेकर अखिलेश यादव के साथ कई लोगों ने अन्न संकल्प लिया। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि हम सभी लोग संकल्प लेते हैं कि जिन्होंने किसानों पर अन्याय और अत्याचार किया, उन्हें इस चुनाव में हराएंगे और हटाएंगे। यही हमारा अन्न संकल्प है। इस दौरान अखिलेश यादव के साथ किसान नेता तेजिंदर सिंह बिक्र भी थे। अखिलेश ने दावा किया कि जब लखीमपुर खीरी कांड हुआ था उस वक्त तेजिंदर भी गाड़ी के टक्कर लगने से जख्मी हुए थे।

अन्न संकल्प के दौरान अखिलेश यादव ने किसानों से कई बड़े वादे भी किए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि अगर समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो गिफ्ट गन्ना किसानों को 15 दिन में भुगतान किए जाएंगे। उन्होंने किसानों को मुफ्त में बिजली देने और ब्याज मुक्त

लोन तथा बीमा भी देने की बात कही है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र में किसानों को सभी फसलों पर डैच, गन्ना किसानों को 15 दिन में उनका भुगतान, किसानों को सिंचाई के लिए बिजली मुफ्त, ब्याजमुक्त लोन, किसानों के लिए बीमा एवं पेंशन की व्यवस्था को शामिल किया जाएगा। भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा कि वे बताएं कि राज्य में कितनी स्मार्ट सिटी बन गई है।

भाजपा पर हमला जारी रखते हुए अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए बड़े–बड़े षडयंत्र और साजिश की जा रही हैं। हमारे परिवार की हमसे ज्यादा चिंता भाजपा को है। हमारा घोषणा पत्र भाजपा के घोषणा पत्र के बाद आएगा। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर 7 चरणों में चुनाव होंगे। इन सात चरणों के तहत 10 फरवरी, 14 फरवरी, 20 फरवरी, 23 फरवरी, 27 फरवरी, 3 मार्च और 7 मार्च को मतदान होंगे जबकि नतीजे 10 मार्च को आएंगे। उत्तर प्रदेश में मुख्य मुकाबला समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच मानी जा रही है। हालांकि बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस ने भी जबरदस्त तरीके से चुनावी दमखम लगा रखा है।

डकैती की योजना बनाते 09 लुटेरे गिरफ्तार, एक फरार मौर्य समाज का सपा ने हमेशा तकपुरा दर्शननगर में हुई डकैती के 360000 रूपये बरामद किया सम्मान किया: तेजनारायण

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या पुलिस व स्वाट टीम ने तकपुरा दर्शननगर में 14 दिसम्बर को हुई डकैती की घटना को अंजाम देने वाले 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी एक बार फिर से कहीं डकैती डालने की योजना बना रहे थे। इतने में पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। आरोपियों के कब्जे से 5 तमंचा, 360,000 रुपये बरामद हुए है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने 31 लाख 30 हजार रुपये की डकैती डाली थी। सारा पैसा आपस में बांट लिया था। पूरे घटना की रेकी रिश्तेदार मौसा ने ही कराई थी। रात दो बजकर 25 मिनट पर बूथ नंबर चार स्थित यादव ढाबा के पास कुछ लोग बैठे हुए थे। पुलिस लाइन सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली की ये आरोपी डाका डालने की साजिश रच रहे हैं। मौके पर पुलिस पहुंची तो आरोपी इधर–उधर भागने लगे। इस दौरान पुलिस ने मुश्तैदी दिखाते हुए सभी 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान मो. गनी, नबी हसन, राहत अली, मो. शफी (बेटा–बाप), शेर अली निवासी अब्दुल्लापुर लेदा थाना ठाकुर द्वारा जनपद मुरादाबाद, मुनाजीर हुसैन निवासी कमलीपुर खालसा थाना ठाकुर द्वारा जनपद मुरादाबाद, अकबर निवासी मुस्तापुर खण्डसाल थाना छजलैट जनपद मुरादाबाद, मो. रफी निवासी कमालीपुरी खालसा थाना ठाकुर द्वारा जनपद मुरादाबाद व सालीकराम वर्मा निवासी कनकरपुर थाना पैकोलिया जनपद बस्ती के रूप में हुई। आरोपियों ने बताया कि दर्शननगर स्थित ग्राम तकपुस में 18 दिसंबर को शिवशंकर वर्मा के घर आरोपियों ने डकैती डाली थी। आरोपियों ने बताया कि शिवशंकर वर्मा की भतीजी अनामिका उर्फ निशा की शादी उसके मौसा सालिकराम वर्मा तय करा रहे थे। पैसे की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। इस दौरान उन्हें सुझाव दिया गया कि खेत बेच दिया जाए। खेत बेच कर काफी पैसा इकट्ठा किया गया था, जिसे घर में ही रखा गया था। इतना पैसा रखा होने की बात पर सालिकराम का माथा ठनका और उसने पैसे हड़पने की योजना बनाई।सालिकराम सऊदी अरब में रहता था। उसके साथ मुरादाबाद का मो. नमी व राहत भी रहता था। इसके बाद गनी राहत व उसके पिता मो. सफी ने अन्य बदमाशों के इकट्ठा किया। इसके बाद मो. गनी, नबी हसन व अन्य आरोपी सालिकराम से मिले और पीड़ित के घर जाकर रेकी की और वारदात को अंजाम दिया। घटना के दिन यहां से जाने के बाद राहत व मो. रुफी मुरादाबाद मे रुक गये और सालिकराम लखनऊ के अस्पताल में पहुंच गया। घटना में 31 लाख 30 हजार रुपये लूटा जाना बताया गया जिसका इन लोगों ने आपस बंटवारा किया था। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में कोतवाली अयोध्या के प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र पाण्डेय, स्वाट टीम प्रभारी रतन कुमार शर्मा, उ.नि. धमेन्द्र कुमार मिश्रा, उ.नि. जनार्दन सिंह, हे. का. शेषनाथ सिंह व का. आनन्द पाण्डेय, प्रशान्त अवस्थी, सुभाष विश्वकर्मा, अजय सिंह, विनय राय, अजीत, शिवम यादव, सौरभ सिंह, चन्द्रभान, मुकेश, अंकित राय, लल्लु यादव, प्रियेश तिवारी शामिल थे।

भाजपा नेता बलराम मौर्य के सपा में शामिल होने पर किया गया स्वागत

अयोध्या। भाजपा छोड़कर सपा का दामन थामने वाले वरिष्ठ नेता बलराम मौर्य व साथियों का पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर समारोह पूर्वक स्वागत किया गया। इस मौके पर नवागत सपाइयों ने आगामी विस चुनाव–2022 में सपा सरकार बनाने का संकल्प लिया। सपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय पवन ने कहा कि बलराम मौर्य के सपा में आने से पार्टी को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि सपा ने मौर्य समाज का सम्मान हमेशा किया है। उन्होंने कहा कि अब 2022 के विस चुनाव में सपा की सरकार बनने से कोई रोक नहीं सकता। वरिष्ठ नेता बलराम मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछड़ों का कभी भला नहीं किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ऊर्जावान, नौजवान व प्रगतिशील विचार के हैं। मौर्य ने कहा कि विस चुनाव में सपा सरकार बनाकर भाजपा को मुहतोड़ जवाब दिया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गंगा सिंह यादव व संचालन महासचिव हामिद जाफर मीसम ने किया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, श्री चंद यादव, प्रवक्ता राकेश यादव, राहुल यादव पिंटू, बाबूराम गौड़, मोहम्मद हलीम पप्पू, सत्यनारायण मौर्य, दान बहादुर सिंह, पार्षद विशाल पाल टिंकू, रिजवान हसनैन, हसन इकबाल, आकर्षण मौर्य, कमल मौर्य, असलम पठान, राशिद सलीम, शारिब हुसैन, सरोज यादव अजय विश्वकर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

कोरोना से बचाव में जरूरीरू वायरस से तन की दूरी, डर से मन की दूरी

म्यूटेशन की प्रक्रिया से वायरस बनाता है नए और प्रभावी वेरिएंटः डा. उपेन्द्रमणि त्रिपाठी

अयोध्या। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन की संक्रामकता ने विश्वमानवता के सामने पुनः एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। विश्व की दूसरी बड़ी जनसंख्या होने पर भी भारत में रिकार्ड वैक्सीनेशन के बावजूद बढ़ते संक्रमण के आंकड़े,भारत मे कई राज्यों में घोषित चुनाव के मद्देनजर भविष्य की चिंता का विषय है। उक्त सामयिक विषय पर विगत कोरोनकाल में होलिस्टिक टेलिकन्सल्टेशन सेवा का संचालन कर चुके होम्योपैथी फॉर ऑल के चिकित्सक डा. उपेन्द्रमणि त्रिपाठी ने "आरोग्य की बात होम्योपैथी" के साथ अभियान अंतर्गत जानकारी देते हुए कहा कि वैक्सीन लगवा चुके लोग यह मानकर निश्िंचत हो कि वे पूर्णता सुरक्षित हैं, और बचे लोगों में अभी तक न लगवा पाने के बीच पुनः संक्रमण का भय होने, या संक्रमण को केवल सर्दी जुकाम की तरह कम खतरनाक मानकर निश्िंचतता का भाव और इस प्रकार कुल मिलाकर लापरवाही निश्चित रूप से भविष्य के खतरे का संकेत हो सकती है। डा त्रिपाठी ने तर्क दिया कि स्वयं को प्रभावी बनाये रखने के लिए विषाणु में स्वभावतः समय के साथ जेनेटिक मैटेरियल में परिवर्तन या म्यूटेशन के जरिये नए वैरिएंट बनाने का गुण पाया जाता है, इसलिए हो सकता है कि एक समय कम खतरनाक किन्तु अधिक संक्रामक वेरिएंट के प्रभाव से हम निश्िंचत हो जाएं किन्तु संभव है उसके बाद उसका कोई प्रभावी म्यूटेशन अधिक खतरनाक रूप में सामने आ जाये, इसलिए कम से कम छः माह तक हमे अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए और कोई लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

डा उपेन्द्रमणि त्रिपाठी ने समझाया कि कोविड 19 महामारी आरएनए विषाणु सार्स कोव 2 के साथ शुरू हुई तबसे इसके अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा वैरिएंट देखने को मिले जिसमे डेल्टा वेरिएंट ने जीवन के लिए सबसे ज्यादा अकस्मात स्थितियां पैदा की। सामान्यतः वायरस की लिपिड खोल में स्पाइक प्रोटीन हमारे ऊपरी श्वसन तंत्र के एसीई रिसेप्टर से जुड़कर तेजी से संख्या बढ़ाता है और अंततः न्यूमोनिया जैसी स्थिति का निर्माण कर फेफड़ों को अवरुद्ध करते हुए जीवन के लिए संकट पैदा करता रहा। इस प्रक्रिया में इसके अलग अलग वैरिएंट की प्रभाविता व समय अलग अलग रही। अध्ययनों में अब तक 2 से 4 म्यूटेशन तक पाए गए और संक्रामकता के लिहाज से अल्फा वेरियंट ने एक से तीन व्यक्तियों, गामा वेरिएंट ने 2–5 व्यक्तियों तो डेल्टा वैरिएंट 1 से 7 व्यक्तियों तक में फैलता रहा है। इनमें ज्यादातर में 3–5 दिन में लक्षणों की उत्पत्ति व 10–15 दिनों तक प्रभाविता देखी जा रही थी।जिनके सामान्य लक्षणों में सर्दी, जुकाम, तेज बुखार, सूखी खांसी, स्वाद व सुगंध की कमी, सांस लेने में दिक्कत जैसे प्रमुख पहचान की लक्षण थे। किंतु वर्तमान समय मे विषाणु का जो वैरिएंट तेजी से पांव पसार रहा है उसे वैज्ञानिकों ने बी.1.1.1. 529 ओमिक्रोन नाम दिया है जिसमे संभवतः 30 से अधिक लगभग 34 तक म्यूटेशन पाए गए हैं और इसकी संभावित संक्रामकता पहले से कई गुना अधिक है यह एक से 10–12 व्यक्तियों में फैल सकता है। डा त्रिपाठी का कहना है कि लक्षणों में इस प्रकार की अनिश्चितता व भ्रम की स्थिति का एक कारण वैक्सीन से प्राप्त इम्युनिटी भी हो सकती है जिसके विरुद्ध विषाणु की प्रभाविता में अंतर दिखाई पड़ता हो और इसीलिए भविष्य में किसी अन्य प्रभावी म्यूटेशन की संभावना को नकारा नहीं जा सकता, इसीलिए वह कहते है हमे कमसे कम छः माह तक सावधान रहना चाहिए। पूर्ण वैक्सीनेशन के बाद शरीर की प्रतिरोधी क्षमता कारगर हो सकती है किन्तु विषाणु के वैक्सीन प्रतिरोधी गुण के अध्ययन तक हमे ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए। वायरस से बचाव के लिए तन की दूरी, रोग के डर से मन की दूरी को कोरोना से बचाव में जरूरी मंत्र बताते हुए डा उपेन्द्रमणि त्रिपाठी ने कहा विषाणु की संक्रमता की चपेट में आने से बचने के लिए भीड़–भाड़ वाली जगहों से बचें, फेस मास्क पहनें, बार–बार हाथ धोएं, शारीरिक दूरी के नियम का पालन आवश्यक रूप से करना चाहिए।

गांव के बाहर पेड़ से लटका मिला युवक का शव

रूदौली–अयोध्या। कोतवाली रूदौली क्षेत्र के कोलवा गांव के बाहर सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटकता मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि घटना के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। जानकारी के अनुसार कोलवा गांव के बाहर स्थित एक मुर्गी फार्म के बगल में आम के पेड़ से रस्सी के सहारे युवक का शव मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हल्का दरोगा रवीश कुमार यादव ने बताया कि मृतक की पहचान गांव के निवासी सलमान पुत्र मोहर्रम अली के रूप में हुई है। लोगों के मुताबिक सलमान प्रतिदिन शाम को 6 बजे घर से निकल जाता था और रात में कभी घर आता था तो कभी मुर्गी फार्म पर ही सो जाता था। इसलिए कल न आने पर किसी ने उसकी खोजबीन भी नहीं की। सलमान सुबह भी नहीं आया तो परिजन खोजने के लिए निकले। इस दौरान उसका शव पेड़ से लटकता हुआ मिला। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने बताया परिजनों की ओर से भी अभी कोई तहरीर नही मिली हैं।

थाना हरैया अवैध खनन करते हुए एक अदद ट्रैक्टर व दो ट्राली सीज किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। थाना हरैया के प्र0नि0 प्रमोद कुमार सिह, उ0नि0

सुरेश सिंह मय टीम के द्वारा देखभाल क्षेत्र, शांति व्यवस्था ड्यूटी के दौरान मुखबिर की सूचना पर छोटकी खैरहनिया नाला के पास से अवैध खनन में पाए जाने के कारण एक अदद ट्रैक्टर, (पावर ट्रक नीला कलर रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं है) व दो ट्राली सीज किया गया, उक्त ट्रैक्टर ट्राली को थाना स्थानीय पर दाखिल कर मु0अ0सं0 13ध्22 धारा 379 ,411 भा0दं0वि0, 4ध्21 खान एवं खनन अधिनियम व 2ध्3 लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम बनाम अज्ञात का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

अवैध कच्ची शराब समेत एक गिरफ्तार

पुरवा–उन्नाव। कोतवाली पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा। कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक जयप्रकाश यादव के नेतृत्व में कस्बा के बिल्लेश्वर मंदिर के निकट स्थित तिराहा पर एक युवक को चालीस लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ पकड़ा। रज्जन पुत्र राम आसरे सोनकर निवासी दुर्गापुर कस्बा व कोतवाली को पकड़कर संगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की।

सपा के पूर्व विधायक व पूर्व जिपंअ भाजपा में शामिल

फिरोजाबाद। सपा के पूर्व विधायक व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। ऐसे में सपा को एक बडा झटका लगा है। भाजपा पूर्व विधायक को षिकोहाबाद सीट से चुनाव मैदान में उतार सकती है। पूर्व विधायक ओमप्रकाष वर्मा 2012 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद विधानसभा पहुंचे थे। वह पूर्व मंत्री एवं निषाद समाज के कद्दावर नेता स्व0 रघुवर दयाल वर्मा के पौत्र है। वर्ष 2011 में पूर्व मंत्री के निधन के बाद सपा ने उन्हें षिकोहाबाद सीट से चुनाव लड़ाया था। वह 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के प्रवल दावेदार थे लेकिन षिकोहाबाद के वर्तमान भाजपा विधायक डॉ मुकेष वर्मा के सपा में षामिल होने के बाद टिकट कटता देख पूर्व विधायक ने भाजपा ज्वाइन की है। इसके अलावा सपा के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय प्रताप यादव उर्फ छोटू ने भी सपा को इस्तीफा देकर भाजपा की सदस्यता ली है। जवकि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के पिता सिरसागंज विधायक हरिओउम यादव पूर्व में ही भाजपा की सदस्यता ले चुके है। भाजपा सिरसागंज सीट से उन्हें चुनाव मैदान में उतार सकती है।

50 लाख रुपए का बसपा प्रमुख के करीबी का कनेक्शन आया सामने,युवक हिरासत में

एक दिन पहले ही टिकट के नाम पर 67 लाख हड़पने का लगा था आरोप

कानपुर। कानपुर में एक दिन पहले जांच के दौरान मिले नगद 50 लाख रुपए का बसपा प्रमुख मायावती के करीबी शम्सुद्दीन राइन से कनेक्शन सामने आ रहा है। जिस युवक को पुलिस ने नगदी के साथ हिरासत में लिया है,उसकी राइन से कई दौर की बातचीत हुई है। वो राइन का रिश्तेदार भी है। राइन बसपा के वेस्ट यूपी का प्रभारी भी है। उस पर दो दिन पहले मुजफ्फरनगर के एक नेता ने टिकट के लिए 67 लाख रुपए देने का आरोप लगाया था। वो थाने पहुंचकर फूट–फूटकर रोया भी था।

कानपुर के रामादेवी चौराहे पर रात को चकेरी थाने की पुलिस और प्रशासनिक अफसर वाहनों की जांच कर रहे थे। एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोककर उन्होंने जांच की तो रुपयों से भरा बैग बरामद हुआ। पूछताछ में युवक की पहचान उरई के बजरिया थाने के आमीन राईन के तौर पर हुई। उसने बताया कि उरई की एक फर्म का पैसा है,लेकिन .दोपहर तक इस संबंध में कोई साक्ष्य आयकर विभाग को उपलब्ध नहीं करा सका।

फर्म का मालिक भी नहीं पहुंचा। जांच में यह भी सामने आया कि आमीन वेस्ट यूपी के बसपा के पश्चिमी यूपी के प्रभारी शमसुद्दीन राईन के रिश्तेदार है। फिलहाल जांच चल रही है और 50 लाख रुपए सीज करके ट्रेजरी में जमा करा दिया जाएगा। शम्सुद्दीन ने दी सफाईः बसपा नेता शम्सुद्दीन ने अपनी सफाई में एक पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने लिखा है कि जिस कार से 50 लाख बरामद हुआ वह उनके नाम नहीं है। हां मेरे परिवार के लोग व्यापार करते हैं। उनके पैसों को मुझसे और बसपा से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने पत्र में यह भी साफ किया है कि उनके पारिवारिक सीए पहुंचकर कैश का क्लीयरेंस देंगे। फिलहाल दोपहर तक कोई थाने नहीं पहुंचा। एक दिन पहले ही टिकट के नाम पर 67 लाख हड़पने का आरोप भी लगा था।

बसपा नेता के रिश्तेदार की कार से 50 लाख बरामद होने के ठीक एक दिन पहले ही मुजफ्फरनगर की चरथावल सीट से टिकट मांग रहे बसपा नेता अरशद राणा ने कोतवाली थाने में शमसुद्दीन राईन के खिलाफ तहरीर दी। इतना ही नहीं कोतवाली में फूट–फूटकर रो पड़े। आरोप लगाया कि पार्टी के एक वरिष्ठ शमसुद्दीन राईन को टिकट के लिए 67 लाख रुपए दिए थे। लेकिन उन्हे विश्वास में लिए बगैर उनका टिकट काट दिया गया। उनके रुपए भी वापस नहीं किए गए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उन्हें इंसाफ नहीं मिला तो वह आत्मदाह करेंगे।

विधानसभा चुनाव 2022 में पड़ेगी 740 बसों की आवश्यकता

उन्नाव। आगामी विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर निर्वाचन विभाग पहले से ही तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। विगत दिवस पोलिंग पार्टियों के लिए वाहन की व्यवस्था के संबंध में बैठक की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि पोलिंग पार्टियों के रवाना होने से एक दिन पहले ही दोस्ती नगर स्थित फायर स्टेशन पर उन्हें खड़ा करा दिया जाएगा।

एडीएम नरेंद्र सिंह ने वाहनों की उपलब्धता के संबंध में बैठक की। इस दौरान एआरटीओ आदित्य त्रिपाठी, सिटी मजिस्ट्रेट विजेता व निर्वाचन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। एआरटीओ आदित्य त्रिपाठी ने बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए 740 बसों की आवश्यकता है।जिसमे अभी तक लगभग 500 बस उपलब्ध हैं। शेष बस व अन्य वाहनों की व्यवस्था की जा रही है। वाहनों को दोस्ती नगर स्थित फायर स्टेशन पर खड़ा किया जाएगा। यहीं से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जाएगा। कोरोना की वजह से इस बार दस फीसद तक अतिरिक्त वाहन की जरूरत पड़ सकती है।

सोमनाथ मंदिर निर्माण हेतु सीमित का हुआ गठन

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। विकासखंड श्रीदत्तगंज के अंतर्गत बहुत

ही पौराणिक मंदिर श्री सोमनाथ मंदिर निर्माण हेतु समिति के नए सदस्यों का गठन हुआधजिसमें महंत जितेंद्र बन सभी सदस्यों को बधाई देते हुए आग्रह किया की आप सभी के सहयोग से मंदिर निर्माण का कार्य पूर्ण हो सकेगाध्मौके पर दिनेश सिंह रणविजय सिंह ओम प्रकाश तीरगुनायक राजकरण पाठक गोमती प्रसाद जायसवाल बलबीर सिंह डॉक्टर प्रेम प्रकाश जायसवाल मनीष गुप्ता आनंद जायसवाल महेश अफसर सिंह राहुल जायसवाल बाबूलाल कौशल बनवारीलाल कौशल राकेश सिंह भगवान प्रसाद वर्मा चंद्रशेखर सहित कई सदस्य गणों ने शपथ लीध्और मंदिर में बढ़–चढ़कर सहयोग करने का वादा किया।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बरामद किया अवैध शराब का जखीरा, दो गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। तुलसीपुर पुलिस ने चुनाव से पहले बड़ी सफलता हासिल करते हुए अवैध शराब का निर्माण कर बेचने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए अभियुक्तों के पास से 400 लीटर स्प्रिट व अवैध निर्मित शराब शराब के साथ दो लोगो को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया की इनका प्रयोग चुनाव में भी होने की संभावना थी लेकिन इससे पूर्व पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। जिले में पुलिस ने अवैध शराब का व्यापार करने वालो के विरुद्ध लगातार अभियान चला कर कार्यवाही कर रही है। पुलिस ने अवैध शराब का व्यापार करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस का मानना है की इन अवैध शराबों का प्रयोग चुनाव

- **चुनाव से पहले पुलिस को मिली बड़ी सफलता**
- **पुलिस ने 400 लीटर स्प्रिट व अवैध शराब किया बरामद**
- **अवैध शराब का निर्माण कर चुनाव में खपाने की थी तैयारी**

में कर उसकी गरिमा को भंग करने का भी प्रयास किया जा सकता था। तुलसीपुर पुलिस ने पुलिस अधीक्षक हेमंत कुटियाल के निर्देशन में मुखबिर की सूचना पर, ग्राम पिपरा थाना जरवा स्थित संजय गुप्ता के मकान के घर पर छापेमारी कर स्प्रिट, अवैध शराब व पैकिंग में प्रयोग होने वाली सामग्रियों का जखीरा बरामद किया। अपर पुलिस अधीक्षक नम्रता श्रीवास्तव ने बताया की पुलिस ने छापेमारी में अवैध शराब की भरी हुई शीशियों, खाली शीशियों , ढक्कन, रैपर, स्प्रिट, जरिकेन के साथ दो अभियुक्तों अनिल कुमार सोनी पुत्र केशव राम सोनी, निवासी ग्राम मैनहवा, थाना महाराजगंज तराई जनपद बलरामपुर व सुशील जायसवाल पुत्र रामचंद्र जायसवाल, निवासी पटेल नगर कॉलोनी, थाना बछरावां जिला रायबरेली को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया की बरामद कुल 19216 रैपर को देखा गया तो स्पब. छव. 10013051000844 उत्तर प्रदेश में बिक्री के लिये बोबी देशी शराब (मसालेदार) निर्माता सर शादी लाल डिस्टीलरी एण्ड केमिकल वर्क्स मंसूरपुर मुजफ्फर नगर अंकित है दोनों अभियुक्त अवैध शराब निर्मित कर ब्राण्ड की शीशियों में भरकर देशी शराब की दुकानों पर असली शराब के साथ मिलाकर बेच देते हैं, आने वाले चुनाव मे नकली माल तैयार कर खपाने की तैयारी में थे। उन्होंने बताया की जांच की जा रही है की इन तैयार शराब की खपत कहा–कहा किन–किन दुकानों पर होती थी।

आचार संहिता लगते ही अपराधी की धरपकड़ शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिले मैं चुनाव आचार संहिता लागू होते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह से हरकत में आ गया है जिसके तहत विभिन्न तरह के आरोपी अपराधियों की धरपकड़ तेज हो गई है। यही कारण है कि छोटे मोटे अपराधी वारंटी घर छोड़ने के लिए बाध्य हो गए हैं। इधर कुछ दिनों में ही जिले की पुलिस ने बड़ी संख्या में अपराधियों वारंटी ओं की धरपकड़ शुरू कर दी है। जिसके तहत सैकड़ों की संख्या में लोग जेल भेजे गए आलम यह है कि छोटे मोटे अपराधी वारंटी घर छोड़ने को विवश हैं।

भारत नेपाल बॉर्डर पर मानव तस्करी की रोकथाम के लिए ग्रामीणों को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत नेपाल बॉर्डर के सीमाई क्षेत्र दूल्हा शुमाली के ककरहवा एव फसादीपुर में ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कोरोना से बचाव, बाल अधिकार, मानव तस्करी की रोकथाम एव महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सोमवार को मानव सेवा संस्थान श्सेवाश् द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया।जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य रूप से एएचटीयू एसएसबी 66 वी वाहिनी एव एसएसबी की सीमा चौकी ककरहवा के जवानों ने सहभागिता किया।ग्रामीणों को जागरूक करते हुए एएचटीयू एसएसबी टीम के निरीक्षक ताशी पलदन ने बताया कि सीमाई क्षेत्रों में शिक्षा का अभाव होने के कारण लोग आगे नही बढ़ पाते, इसलिए शिक्षा बहुत आवश्यक है, हम सभी की जिम्मेदारी है कि बच्चो को शिक्षित कर उन्हें आगे बढ़ाए, क्यंकि बच्चे ही कल के भविष्य है, यदि बच्चे शिक्षित रहेंगे तो उन्हें कोई बहला फुसला कर कही नहीं ले जा सकता और न ही कोई उनके अधिकारों का दुरुपयोग कर सकता है। इसलिए शिक्षा जीवन के लिए सबसे अहम होता है, इसलिए यदि आप शिक्षित अपने बच्चो को बनाएंगे तो बच्चा हमेशा आगे बढ़ते जाएंगे, कोरोना

का प्रसार बढ़ रहा है इसलिये आप सब मास्क का प्रयोग जरूर करें तथा हमेशा साबुन से हाथ ध ुलते रहे और सेनेटाइज भी करते रहिए और वैक्सीन जरूर लगवाए। उन्होंने कहा कि बच्चो का पढ़ाई, खेल, अभिव्यक्ति इत्यादि का अधि ाकार है, और यह सब अधिकार भी महिलाओं के लिए वैकेंसी आई है उसको महिलाएं फॉर्म भर कर योग्यता के आधार पर नौकरी पा सकती है। एएचटीयू एसएसबी की महिला कांस्टेबल ने जागरूक करते हुए कहा कि महिलाएं भी किसी से कम नही होती हैं, इसलिए योग्य बनिए और अपनी योग्यता के अनुसार आगे बढिए। उन्होंने कहा की मानव तस्करी रोकने के लिए एसएसबी द्वारा लगातार प्रयास रहता है कि कोई इसका शिकार न हो सके। उन्होंने कहा कि सभी माता पिता का दायित्व है कि अपने बच्चो का ख्याल रखें, उन पर नजर रखे और अनजान व्यक्ति के साथ कही न भेजे और न ही किसी प्रलोभन में बच्चो को कहीं भेंजे। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए मानव सेवा संस्थान के केंद्र प्रभारी जय प्रकाश गुप्ता ने बताया की मानव तस्करी एक संगठित अपराध है, इसमें मानव तस्कर बच्चों को नौकरी देने के नाम पर या किसी प्रकार का प्रलोभन देकर उन्हें ले जाकर कही बेच देते हैं, उनके शरीर का पार्ट निकलवाकर बेच देते हैं, बीख मंगवाते है तथा बच्चियों को भी शादी एव अच्छे जीवन शैली का प्रलोभन देकर बाहर ले जाकर उन्हें गर्त में ढकेल देते है। इसलिए हम सब को सजग रहकर अपने बच्चो को कही भेजने से पहले पूरी तरह से जांच पड़ताल कर संतुस्ट हो लें तभी कदम आगे बढ़ाएं। इसके अलावा जागरुकता कार्यक्रम में लोगो को एसएसबी, पुलिस, एम्बुलेंस, इत्यादि जरूरी टोल फ्री नम्बरो की जानकारी दी गई तथा प्रवासियों को यात्रा के दौरान जरूरी दस्तावेज के बारे में भी जानकारी दी गई। जागरूकता कार्यक्रम में एसएसबी के अखिलेश यादव, ककरहवा चौकी के इंद्रजीत एवं मानव सेवा संस्थान के जीवन माया श्रीवास्तवा, आकांक्षा वर्मा, विष्णु यादव, सन्नू कुमार, संदीप कुमार, बीपी आदि लोग शामिल रहे।

फर्जी बाउचर लगाकर किया जा रहा ग्राम पंचायतो में भुगतान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायती राज का गठन किया गया है, ताकि समस्या को गांव के लोग आपस मे मिलकर सुलझा सके और गांवों की छोटी, मोटी समस्या को पंचायत के प्रध ाान–सचिव, ग्रामवासी मिलकर दूर कर सकें। इसके लिए ग्राम पंचायत में मूलभूत राज्यबित्त चौदहवें वित्त व अन्य योजनाओं से पंचायत की खाते में राशि आती है, जिससे पंचायत की आवश्यकता अनुसार खर्च किया जाता है लेकिन बढ़नी विकासखंड में इस योजना का पैसा विकास के बजाय फर्जी बिल लगाकर किया गया है, जो सरकार व जनता के पैसे को सरपंच, सचिव व संबंधित विभाग में बैठे आला अफसर की मिलीभगत दर्शाता है। बढ़नी विकासखंड के ग्राम पंचायत पचउध में फर्जी बिल लगाकर जनता के विकास करने के बजाए हजम कर रहे हैं। दरअसल कुर्सी मेज अलमारी कंप्यूटर इन्वर्टर खरीद का

भुगतान जयहिंद हार्डवेयर एंड इलेक्ट्रिक में एक लाख अस्सी हजार की राशि का भुगतान किया गया, जो की जिस फर्म पर भुगतान किया गया है वह पेंट चुना पाइप तार बल्ब आदि की दुकान है।

ग्राम पंचायत में आज भी मूलभूत समस्या बनी हुई है। जिसके समाधान करने के बजाए सरकारी धन का खुला दुरुपयोग सरपंच के द्वारा किया जा रहा है। जिस पर कोई भी अंकुश नहीं लगाया जा रहा है। ग्राम पंचायत के सरपंच के द्वारा पंचायती राज अधिनियम को किनारे करते हुए अपने नियम पंचायत में चला रहे हैं।

पंचायत में व्यय करने के लिए जो राशि आती है वो राशि पंचायत पदाधिकारियों के लिए चारागाह साबित हो रही है। पंचायती राज अधिनियम के सारे नियम कानून को किनारे कर अपना कानून चला रहे कोई अंकुश लगाने वाले नहीं हैं।

पेंशन विहीन कर्मचारियों ने वोटफॉर ओपीएस के लिए ट्विटर अभियान चलाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ऑल टीचर्स एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु, तथा प्रदेश संयुक्त मंत्री जनार्दन शुक्ला के आह्वान पर सिद्धार्थनगर सहित देश और प्रदेश के लाखों पेंशन विहीन शिक्षक और कर्मचारियों ने वोटफॉर ओपीएस के लिए ट्विटर अभियान चलाया जिसमें शिक्षक और कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली को लेकर राजनेताओं से, पार्टियों के प्रमुख से, पुरानी पेंशन बहाली मांग को अपने घोषणापत्र में रखने के लिए ट्वीट किया गया कोरोना संकट और चुनाव आचार संहिता को देखते हुए अटेवा ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने पुरानी पेंशन बहाली अभियान को जारी रखने का संकल्प लिया और ट्विटर जो देश दुनिया के सोशल मीडिया का सशक्त माध्यम है उस पर आज 2.00 बजे से लेकर 5.00 बजे तक लाखों शिक्षक और कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली रुअवजमवितव्व्टॉप ट्रेंड पर रखा जो अपने आप में एक मिसाल है की देश दुनिया में शिक्षक और कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन की खबर सोशल मीडिया पर छाई रही। अटेवा सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार द्विवेदी ने जनपद सिद्धार्थनगर के शिक्षक और कर्मचारियों को इस ट्विटर अभियान का हिस्सा बनकर सफल बनाने सभी के प्रतिआभार प्रकट किया।

25,000 इनामीया गौ तस्कर को गुलरिया पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक नगर ने पुलिस लाइन में किया खुलासा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। पुलिस बल पर पथराव व फायरिंग कर गोरखपुर व अन्य जनपदो मे दहशत पैदा करने वालें गौ तस्कर के गिरोह के सरगना मिंटू अली पुत्र नूरमोहम्मद निवासी अहिरौली दुबोली टोला तकिया थाना गोपालपुर जनपद गोपालगंज बिहार को गुलरिया पुलिस ने कर्बला बाजार थाना क्षेत्र बड़हरिया जनपद सिवान बिहार से गिरफ्तार किया। इससे पहले अन्य सदस्यों को गुलरिया पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। 3 जनवरी2022 को का0 देवीशंकर यादव कमाण्डर पीआरवी 0331 द्वारा थाना गुलरिहा पर मु0अ0सं0 004ध्22 धारा 307ध् 392ध्504ध्506ध्427ध्353 भादवि0 व 7 सीएलए एक्ट बनाम अज्ञात पंजीकृत कराया गया था वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ विपिन ताड़ा ने मामले को गंभीरता लेते हुए पुलिस अधीक्षक नगर मनोज कुमार अवस्थी को तत्काल गिरफ्तारी करने का निर्देशित किया पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी ने तत्परता दिखाते हुए क्षेत्राधिकारी चौरीचौरा अखिलानंद उपाध्याय वरिष्ठ उपनिरीक्षक के साथ घटना में संलिप्त दो अभियुक्तों असलम पुत्र अहमद शाह निवासी काजीपुर टोला सुकरौली थाना पटहेरवा जनपद कुशीनगर व मन्नु पुत्र पन्नेलाल निवासी छोटी रेतवहिया जंगल धुषण थाना पिपराईच गोरखपुर को गुलरिया पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी सरगना को गिरफ्तार करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अध ीक्षक डॉ विपिन ताड़ा पशु तस्करों पर लगाम लगाने के लिए पशु तस्कर टास्क फोर्स का गठन कर पशु तस्करों पर लगाम लगाने के लिए एक रणनीति के तहत

सिवान बिहार से गिरफ्तार करने पशु तस्कर सरगना मिंटू अली पुत्र नूरमोहम्मद निवासी अहिरौली दुबोली टोला तकिया थाना गोपालपुर जनपद गोपालगंज बिहार को प्रभारी निरीक्षक गुलरिया अमित कुमार दुबे निरीक्षक प्रदीप शर्मा प्रभारी स्वाट टीम द्वारा कर्बला बाजार थाना क्षेत्र बड़हरिया जनपद में सफलता प्राप्त किया। पुलिस लाइन वाइट हाउस सभागार में पुलिस अधीक्षक नगर सोनम कुमार ने प्रेस वार्ता करते हुए 3 जनवरी 22 को पीआरबी टीम द्वारा थाना गुलरिया पर मुकदमा अपराध संख्या 0422 धारा 307 392 504 506 427 353 भादवि 7सीएलए बनाम पंचायत कराया गया था जिसके दो अभियुक्त पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं मुख्य अभियुक्त मिंटू अली पुत्र नूर मोहम्मद को गुलरिया पुलिस द्वारा कर्बला बाजार सिवान बिहार से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की एसपी सिटी ने बताया कि का0 देवीशंकर यादव (कमाण्डर) पीआरवी0331 गाड़ी संख्या यू0पी0 32डीजी 0331 03ध01ध022 की रात्रि करीब 12.30 बजे सब कमाण्डर म0का0 चन्द्रकला कन्नौजिया एवं म0का0 बन्दना और चालक होमगार्ड राधेश्याम तिवारी के साथ रात्रि डियूटी मे थे कि एक पिकप की गाड़ी नं0 बीआरओ5जीबी1380 आकर रुकी गाड़ी संदिग्ध होने पर पुलिस वालों द्वारा हूटर साइरन का प्रयोग करते हुए गाड़ी से उतरकर पिकप के पास जाकर चेक करने का प्रयास किया गया कि अचानक उक्त पिकप गाड़ी से तीन चार की संख्या में व्यक्ति उतरे और जान माल की धमकी देते हुए जान से मारने की नियत से पथराव करते हुए अन्धा धुंध फायरिग करने लगे . पुलिस वाले अपनी जान माल की सुरक्षा करते हुए गाड़ी से दूर हट गये अज्ञात बदमाशों द्वारा गाड़ी के अन्दर घुसकर गाड़ी में रखा मो0 वीबो स्मार्टफोन कलर गोल्डेन प्डम्प् नं0 –864666037352211 एवं 2छक् प्डम्– 864666037352203 और करीब 500– 600 रुपये नगद कार के डैसबोर्ड से लूटकर गाली गलौज देते हुए उक्त पिकअप लेकर भाग गये थराव के कारण गाड़ी काफी छतिग्रस्त हो गयी थी गिरफ्तार किए गए गौ तस्कर मिंटू पर अन्य थानों पर अन्य मुकदमे में पंजीकृत हैं।

जनपद न्यायालय परिसर मे 24 जनवरी को होगा नीलामी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद न्यायालय सिद्धार्थ नगर के परिसर मे स्थित फोटोकॉपी मय फोटोग्राफी की दुकान, फल एवं जूस की दुकान व जनरल स्टोर एवं बेकरी की दुकान की पुनः नीलामी दिनॉक 24–01–2022 को कराया जाना सुनिश्चित किया गया है। उक्त दुकानों की नीलामी हेतु मुहर बंद लिफाफे मे निविदा आमंत्रित की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति अपनी निविदाये दिनॉक 24–01–2022 को समय अपरान्ह 2.00 बजे तक केंद्रीय नजारत जनपद न्यायालय सिद्धार्थनगर मे प्रस्तुत करेंगे, उसी दिन अपरान्ह 3.30 बजे न्यायालय के सभागार मे नीलामी समिति के समक्ष सभी निविदाये खोली जायेगी। इच्छुक व्यक्ति यदि मौके पर उक्त दुकानो का निरीक्षण करना चाहे तो इससे पूर्व किसी भी कार्य दिवस मे सुबह 10.00 बजे से सांय 4.00 बजे के मध्य केंद्रीय नाजिर जनपद न्यायालय सिद्धार्थ नगर के माध्यम से निरीक्षण कर सकते है। उक्त जानकारी शकील–उर–रहमान खान अध्यक्ष, नीलामी समितिध् अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश–प्रथम जनपद न्यायालय सिद्धार्थ नगर द्वारा दिया गया है।

योगी आदित्यनाथ को प्रत्याशी बनाऐ जाने पर व्यापारियों मे हर्ष

दैनिक बुद्ध का संदेश

उरुवा/गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ को गोरखपुर शहर से प्रत्याशी बनाए जाने पर व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अरुण जायसवाल की अध्यक्षता में व्यापारियों ने हर्ष व्यक्त किया जिसके संचालन ई0 वी0के0 प्रजापति ने किया! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा के क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य अखिलेश प्रताप चंद (रिक्की चंद कौशिक) एवं विशिष्ट अतिथि व्यापार प्रकोष्ठ क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी संतलाल जायसवाल रहे! अखिलेश प्रताप चंद ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा की इस चुनाव में युवा मोर्चा एवं व्यापार प्रकोष्ठ तथा सभी कार्यकर्तागण मिलकर चिल्लूपार विधानसभा के प्रत्येक बुथ से भारतीय जनता पार्टी को विजई बनाकर 350 के लक्ष्य को पूरा करने में अपना–अपना अहम योगदान दें ! इस अवसर पर जिला सह संयोजक अनिल अग्रहरी, कौशल किशोर निगम, हरिओम जयसवाल, विश्व हिंदू महासंघ के ब्लाक अध्यक्ष अमित पांडेय, पिछड़ा मोर्चा के मंडल कोषाध यक्ष राजेश कसौधन, श्रवण जायसवाल, मंडल मंत्री आकाश वर्मा, मंडल मंत्री रितेश सिंह, केदारनाथ जायसवाल, चंदन शुक्ला, प्रदुम पासवान, रविकेश मोदनवाल, विकास जायसवाल, जवाहरलाल पांडेय, देवनाथ चौहान, दीपू बेलदार सहित आदि व्यापारीगण उपस्थित रहें।

बदलाव की कहानी युवा ही लिखता हैः माया शंकर शुक्ला

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा खखाईजखोर में हो रहे क्रिकेट प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य माया शंकर शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि युवा शक्ति सर्वोपरि शक्ति होती है युवा किसी भी देश के मुख्य स्तंभ होते हैं जरूरत है युवाओं को हमेशा सकारात्मक सोच एवं सही निर्णय पर टिके रहना चाहिए खेलकूद में अपार संभावनाएं आज के दौर में हो रही हैं आज कई रोजगार खेल के रूप में जुड़े हुए हैं सही ललक और परख से इसमें हम और आगे जा सकते हैं तदुपरांत विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्राफी प्रदान करके खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया कार्यक्रम में मुख्य रूप से गौरव शुक्ल, अंशु शुक्ल, अफजल अंसारी ,सोनू शुक्ला गोविंद शुक्ला अगस्त शुक्ला सौरभ शुक्ला गौरव शुक्ला आजाद खान कल्लू खान साजिद अली दया पांडे अशोक यादव अजीत मौर्य व कमेटी एवं क्षेत्र के अन्य लोग भी उपस्थित थे।

सुरक्षा का दिलाया एहसास व शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु फ्लैग मार्च

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिध्दार्थनगर। इटवा तहसील के अन्तर्गत आगमी चुनाव विधानसभा के अन्तर्गत उपजिलाअधिकारी अभिषेक पाठक,

क्षेत्राधिकारी इटवा, इटवा थाना प्रभारी पुलिस, पंकज पाण्डेय व एस एस बी जवानों के साथ किया गया फलैग मार्च इटवा कस्बे में आगामी विधान सभा चुनाव 2022 के दृष्टिगत शांतिध्सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने हेतु पैदल गश्तध्मार्च किया गया ,तथा थाना क्षेत्र के जनता के लोगों से समन्वय स्थापित करते हुये आगामी विधान सभा चुनाव को आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुये लोगों को निर्भय होकर निष्पक्ष रुप से मतदान करने, सुरक्षितध्शांतिपूर्वक सकुशल सम्पन्न कराने हुते आदेशितधनिर्देशित किया गया तथा सुरक्षा एहसास दिलाया गया।

सम्पादकीय

एक संकट यह भी है कि देश में बड़ी आबादी ऐसी है जो खांसी–जुकाम को सामान्य फ्लू मानकर जांच करने से बचती है। फिर गांव–देहात में कोरोना जांच की पर्याप्त चिकित्सा सुविधा न होने की बात कही जाती है। यही वजह है कि विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यदि अमेरिका में रोज दस लाख मामले आ रहे हैं तो उनकी जांच प्रक्रिया में ...

जान और जहान

ऐसे वक्त में जब कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर में संक्रमितों का आंकड़ा ढाई लाख पार कर गया है, प्रधानमंत्री का विभिन्न मुख्यमंत्रियों के साथ महामारी से लड़ाई के लिये बैठक करना तार्किक नजर आता है। एक सप्ताह में यह प्रधानमंत्री की दूसरी बैठक थी, जिसमें कहा गया कि संक्रमण से बचाव हेतु प्रतिबंधों व उपायों को लागू करते वक्त ध्यान रहे कि स्थानीय स्तर पर लोगों की जीविका पर प्रतिकूल असर न पड़े। स्मरण रहे कि पहली लहर के दौरान लगे सख्त लॉकडाउन से नयी तरह का मानवीय संकट पैदा हुआ था। देश ने विभाजन के बाद पलायन की सबसे बड़ी त्रासदी को देखा। अब तक भी आर्थिक दृष्टि से स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो पायी है। तीसरी लहर के दौरान राज्य सरकारों को स्थानीय प्रशासन को निर्देश देने होंगे कि संक्रमण की कड़ी तोडने के लिये एहतियाती उपाय जरूरी हैं, लेकिन जान के साथ जहान की रक्षा भी जरूरी है। देर–सवेर संक्रमण का दायरा सिमटेगा, लेकिन अर्थव्यवस्था को लगी चोट से उबरने में लंबा वक्त लग सकता है। मगर नये संक्रमण को लेकर जैसी दुविधा शासन–प्रशासन के सामने है, वैसी ही दुविधा देश की श्रमशील आबादी के सामने है। हालांकि, केंद्र व राज्य सरकारें आश्वासन दे रही हैं कि पूरा व सख्त लॉकडाउन नहीं लगाया जायेगा, लेकिन दूध का जला छाछ भी फूंक–फूंक कर पीता है। पहली लहर की सख्त बंदिशों से महानगरों में श्रमिकों की त्रासदी की कसक अभी मिटी नहीं है। यही वजह है कि देश के कई राज्यों से श्रमिकों के पलायन की खबरें मीडिया में तैरती रही हैं। जाहिर है असुरक्षा बोध को दूर करने का आश्वासन उन उद्योगों की तरफ से श्रमिकों को नहीं मिल पाया, जहां वे काम करते हैं। ऐसे संकट के दौर में उद्योग व श्रमिकों के रिश्ते महज आर्थिक आधार पर न देखे जायें और उन्हें मानवीय संकट के संदर्भ में देखकर ऐसे आश्वासन दिये जाएं कि वे ऊहापोह की स्थिति से निकल सकें।

निस्संदेह, कोरोना की तीसरी लहर ने देश के सामने नये सिरे से बड़ी चुनौती पैदा की है, अच्छी बात यह है कि तेज संक्रमण के बावजूद अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों की संख्या में कमी आई है। निस्संदेह, इसके मूल में देश में चला सफल टीकाकरण अभियान भी है। आंकड़े बता रहे हैं कि मरने व अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों में बड़ी संख्या उन लोगों की है जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई थी। अब वे लोग भी टीका लगवा रहे हैं, जिन्होंने पहले इसकी अनदेखी की। सुखद है कि देश की पंद्रह से 18 साल तक की किशोर आबादी का टीकाकरण शुरू हो गया है और किशोरों ने उत्साह के साथ टीकाकरण अभियान में भागीदारी की है। इसके बावजूद जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि टेस्टिंग, ट्रैकिंग और ट्रीटमेंट की व्यवस्था जितनी बेहतर होगी, लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाने की जरूरत उतनी ही कम पड़ेगी। उन्होंने अधिक संक्रमण वाले इलाकों में निषेध क्षेत्र घोषित करने तथा घरों में पृथकवास पर जोर दिया। दरअसल, जब से विशेषज्ञों ने कहा कि नया वेरिएंट कम घातक है, तो लोग इस संकट को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। भीड़भाड़ वाले इलाकों में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन न करने की खबरें हैं। पूरी दुनिया कह रही है कि मास्क, सुरक्षित दूरी और बार–बार हाथ धोने से बचाव संभव है। विडंबना ही है कि जब तक प्रशासन सख्ती नहीं करता, हम नियम–कानूनों का पालन स्वेच्छा से नहीं करते। जबकि हमने पहली व दूसरी लहर में बड़ी कीमत चुकायी है।

कविता

आदमी

बन कर मशीन कर रहा हर काम आदमी,
पता कहाँ है एक पल आराम आदमी ।।

डर– डर के हर कदम पे बिताता है जिन्दगी,
मर– मर के जी रहा है, सुबह– शाम आदमी ।।

कीमत हर एक चीज की बढ़ती गई मगर,
माटी के मोल ही रहा, बे–दाम आदमी ।।

देता नहीं है रोटियां भूखे गरीब को,
कुत्तों को खिला देता है बादाम आदमी ।।

आता है जब भी मुल्क में, मौसम चुनाव का,
पाता है सुर्खियों में जगह, आम आदमी ।।

दुनिया को याद रहते हैं लाखों में एक, दो !
मरते तो बेशुमार हैं गुमनाम आदमी ।।

कर जाओ ऐसे काम कि कुछ नाम हो नियाज,
बनकर रहो न दुनिया में, बेनाम आदमी ।।

सिद्धार्थनगर।
नियाज कपिलवस्तुवी/
दैनिक बुद्ध का संदेश

सीमा पर रोबोट आर्मी, अनमैंड व्हीकल्स

चीन ने तिब्बत में स्वचालित म्यूल–200 अनमैन्ड व्हीकल्स भी तैनात कर दिए हैं। ये वाहन मुश्किल पहाड़ी इलाकों में शत्रु की निगरानी करने के साथ–साथ 50 किलोमीटर की दूरी तक आक्रमण करने में भी सक्षम हैं। इस क्षमता के अलावा इनकी मदद से एक बार में 200 किलोग्राम से ज्यादा वजन का गोला बारूद और हथियारों को ले जाया जा सकता है। वायरलेस से भी कंट्रोल की जाने वाली ये गाडियां ...

लक्ष्मी शंकर यादव

अभी हाल ही में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने सशस्त्र बलों के अत्याधुनिक प्रशिक्षण के लिए नया आदेश जारी कर दिया है। उद्देश्य है कि युद्ध लडने एवं उसे जीतने में सक्षम विशिष्ट चीनी बल तैयार रहने चाहिए। शी जिनपिंग ने अपने आदेश में कहा है कि सशस्त्र बलों को प्रौद्योगिकी तथा युद्ध तकनीकों के साथ अपने प्रतिद्वंद्वियों पर नजदीक से नजर रखनी चाहिए। इसके लिए क्रमबद्ध प्रशिक्षण को मजबूती प्रदान करनी चाहिए और विशिष्ट बलों के गठन के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों का विकास करना चाहिए जो युद्ध लडने में सक्षम हों। ज्ञातव्य है कि चीनी सेना का वार्षिक रक्षा बजट 200 अरब डॉलर अर्थात् 14908 अरब रुपये है। चीन की इस अत्याधुनिक सेना से निपटने की तैयारी भारत को करनी होगी।

सेंट्रल मिलिटरी कमीशन के प्रमुख के तौर पर पीएलए को 2022 में दिया गया राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह पहला आदेश है। यह आदेश हिन्द–प्रशान्त महासागर क्षेत्र, अमेरिका, जापान एवं अन्य पड़ोसी देशों के मद्देनजर सेना को आधुनिक बनाने के लिए है। दक्षिण चीन सागर और उसके बाद एशिया–प्रशान्त क्षेत्र में अमेरिका तथा उसके सहयोगियों की बढ़ती ताकत को देखते हुए चीन काफी दिनों से अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने को तत्पर दिख रहा था। गौरतलब है कि हाल ही के वर्षों में इन क्षेत्रों को लेकर चीन के खिलाफ दो रणनीतिक गठबंधन क्वाड और ऑकस बने हैं, जिनमें अमेरिका व भारत की मौजूदगी है। इसलिए चीन का चिन्तित होना स्वाभाविक है। भारत पर दबाव बनाने के उद्देश्य से चीनी सेना पूर्वी लद्दाख में एलएसी के पास पैंगोंग त्सो झील के अपने वाले हिस्से में एक पुल बना रही है। इस पुल के बन जाने से चीनी सेना किसी भी यौद्धिक स्थिति के उत्पन्न होने पर वह भारतीय सीमा के निकट शीघ्रता के साथ पहुंच जाएगी। अभी तक इस हिस्से में पहुंचने में चीनी सेना को 200 किलोमीटर का रास्ता तय करना पड़ता है। इस पुल के बन जाने से यह दूरी 40 से 50 किलोमीटर ही रह जाएगी। विदित हो कि पैंगोंग त्सो लेक की लम्बाई 135 किलोमीटर है। स्थलीय सीमा से घिरी हुई इस झील का कुछ हिस्सा लद्दाख और बाकी हिस्सा तिब्बत में है। झील के उत्तरी तट पर फिंगर आठ से 20 किलोमीटर पूर्व में ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। ब्रिज साइट रुतोग काउंटी में खुर्नक जिले के ठीक पूर्व में है जहां पर पीएलए के अनेक सीमावर्ती ठिकाने हैं।

विदित हो कि अगस्त, 2020 में चीनी सेना पैंगोंग त्सो झील के फिंगर–4 तक आ गई थी। करीब डेढ़ साल के तनाव के बाद चीनी सेना पीछे हटी लेकिन अब उसने अपनी तरफ पुल बनाना शुरू कर दिया है। सामरिक दृष्टिकोण से चीन इस पुल से भारतीय सेना की गतिविधियों पर निगरानी कर सकेगा। पीएलए ने इस पुल से आने–जाने के लिए सड़क बनाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग त्सो झील पर चीन द्वारा पुल बनाए जाने पर भारत ने स्पष्ट किया है कि यह निर्माण झील के उस हिस्से में किया जा रहा है जो एलएसी के पार बीते 60 सालों से चीन के अवैध कब्जे में है लेकिन भारत ने इस अवैध कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। भारत इस पर नजर बनाए हुए है और इस स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक उपाय कर रहा है।

लद्दाख में अब भारतीय सेना के जवानों का सामना ठण्ड से कांपते चीनी सैनिकों के बजाय उसकी रोबोट आर्मी और अनमैंड व्हीकल्स से होगा क्योंकि चीन ने लद्दाख से लगती सीमा पर इनकी तैनाती कर दी है। चीन ने यह कार्य तिब्बत की कड़कड़ाती ठण्ड नहीं झेल पा रहे अपने सैनिकों के बचाव के लिए किया है। विदित हो कि चीनी सैनिकों को ठण्डे इलाकों में लड़ाई का अनुभव नहीं है जिस वजह से उन्हें भारतीय सैनिकों के हाथों मुंह की खानी पड़ती है। लद्दाख तनाव को कम करने के लिए भारत और चीन के बीच कई दौर की वार्ता के बाद भी कोई समाधान नहीं निकल सका है। दरअसल, पीएलए ने तिब्बत में ऑटोमैटिक रूप से चलने वाली 88 शॉर्प क्लॉ व्हीकल्स को तैनात कर दिया है। इसमें से 38 शॉर्प क्लॉ व्हीकल्स को लद्दाख सीमा पर लगाया गया है। इन गाडियों को चीन की हथियार निर्माता कम्पनी नोरीनको ने तैयार किया है। इन वाहनों का इस्तेमाल सीमा क्षेत्रों में शत्रु की निगरानी या अन्य क्षेत्रों में निगरानी के लिए किया जाता है। इसके अलावा इन गाडियों का उपयोग हथियार व अन्य आवश्यक सैन्य साजो–सामान की आपूर्ति के लिए किया जाता है।

चीन ने तिब्बत में स्वचालित म्यूल–200 अनमैन्ड व्हीकल्स भी तैनात कर दिए हैं। ये वाहन मुश्किल पहाड़ी इलाकों में शत्रु की निगरानी करने के साथ–साथ 50 किलोमीटर की दूरी तक आक्रमण करने में भी सक्षम हैं। इस क्षमता के अलावा इनकी मदद से एक बार में 200 किलोग्राम से ज्यादा वजन का गोला बारूद और हथियारों को ले जाया जा सकता है। वायरलेस से भी कंट्रोल की जाने वाली ये गाडियां रोबोट की तरह युद्ध लडने में सक्षम हैं। तिब्बत के इलाके में 200 लिंक्स ऑल टेरेन व्हीकल्स मौजूद हैं। इनमें से तकरीबन 150 लद्दाख सीमा क्षेत्र में हैं। इसके अलावा ये वाहन भारी वजन वाले हथियारों और एयर डिफेंस संबंधी हथियारों के लिए प्लेटफार्म के तौर पर भी काम आ सकते हैं।

अकादमी का लक्ष्य है कि इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से एक सत्य एवं श्रेष्ठ समाज का निर्माण हो सके और मनुष्य में भौतिक, आध्यात्मिक एवं भावात्मक पक्षों का सुन्दर समन्वय हो। इस अकादमी में सकारात्मक चिन्तन, तनावमुक्ति, आत्म उत्थान, आध्यात्मिकता का अनुप्रयोग, स्वप्रबन्धन व नेतृत्व प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 3 से 30 दिन तक की समय सीमा में पूरे कराये जाते है। शिव शक्तियों के केन्द्र...

18 जनवरी यादगार दिवस पर विशेष

परमात्म अनुभूति कराते थे ब्रह्मा बाबा!

डा0श्रीगोपालनारसन एडवोकेट

ब्रहमाबाबा जिनका वास्तविक नाम दादा लेखराज था,ने देश ही नही दुनिया को ईश्वरीय अनुभूति का बोध कराया। विकारो से घिरी इस दुनिया को सत्कर्मो के द्वारा संवारने की शुरूआत ब्रह्माबाबा ने सबसे पहले अपनी जन्मभूमि हैदराबाद सिंध जो अब पाकिस्तान में है, से सन 1936 में की थी। परमात्म मिशन चलाने के लिए उन्होंने ओम मण्डली नाम से एक ट्रस्ट बनाकर अपनी समस्त सम्पत्ति जो उस समय भी लाखों रुपयों की थी,उस ट्रस्ट में निहित कर दी थी। इस ट्रस्ट में वे भी कभी ट्रस्टी नही रहे,केवल नारी शक्ति के नेतृत्व को ही उनके द्वारा स्वीकारा गया।यानि नारी शक्ति को इस आध्यात्मिक मिशन का नेतृत्व सौंप कर उन्होंने यह सिद्ध किया कि आधी आबादी भी देश और समाज का ही नही अध्यात्म का भी नेतृत्व कर सकती है।इसी सोच के चलते यह संस्था आज दुनिया के 140 देशों तक नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों की प्रचार प्रसार करने में सफल रही है। 5 मई सन 1950 को पाकिस्तान से भारत के आबू पर्वत पर स्थानान्तरित हुई यह संस्था अब प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के रूप में भारत भूमि से संसार भर को शान्ति का पैगाम देने का काम कर रही है।यह संस्था एक जीवन्त सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों की प्रयोगशाला कही जा सकती है। जिसके माध्यम सें विश्व के नवनिर्माण व चरित्र निर्माण का कार्य बड़ी तेजी के साथ हो रहा है।आज भी मधुरता व वैराग्य के इस अनूठे संगम स्थल पर आकर देश विदेश के आध्यात्मिक जिज्ञासु सहज ही आकर्षित हो जाते है।ब्रहमाकुमारीज संस्था की सोच है कि महान आत्मा बनने के लिए आत्मिक शक्तियों को पहचानने की आवश्यकता है, चूंकि जितना आत्मिक स्थिती का अभ्यास होगा उतनी ही बुद्धिस्थिर और शुद्ध होगी। आत्मिक व आणविक शक्तियों के समन्वय से एक सुखमय व शान्तिमय दुनिया की स्थापना ही ईश्वरीय विश्वविद्यालय का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। तभी तो आत्मा की शक्ति को पहचानने और उसके आत्म शान्त स्वरूप को समझने की सीख यहां बार–बार दी जाती है।यहां आध्यात्मिक व्याख्यान में बताया जाता है कि अब्राहम, पैगम्बर, क्राइस्ट, बुद्ध, महावीर स्वामी और शंकराचार्य धर्मात्माएं तो है किन्तु परमात्मा नहीं। क्योंकि परमात्मा वही है जो अजन्मा हो, निराकार हो, ज्योति स्वरूप हो। मुस्लिम धर्म में भी अल्लाह को नूर कहा गया है। तभी तो अल्लाह को नूर ए इलाही भी कहते है। जो हिन्दूओं के लिए दिव्य ज्योतिबिंदु है। इसी तरह क्राइस्टो के लिए लाईट ऑफ गॉड है। जो एक प्रकाश पुंज की तरह है। हजरत मूसा ने भी परमात्मा को ज्योति स्वरूप स्वीकारा है। तो गुरूनानक ने भी परमात्मा को एक ओंकार निराकार माना है। यानि धर्म कोई भी हो सबका मानना यही हैं कि ईश्वर, अल्लाह, गौड, वाहे गुरू सतनाम, रूप ज्योति बिन्दु है जो गुणों का सिन्धु है जो सत्यम शिवम सुन्दरम् है और जो पतित से हमें पावन बनाता है उसी परमात्मा से आत्मबोध कराने के लिए राजयोग का श्रेष्ठ मार्ग बताया गया है। श्परमात्माय शब्द की व्याख्या करते हुए बताया गया कि जो सर्वमान्य हो, जन्म मरण से परे हो, जिनके माता– पिता–गुरू न हो, जो स्थिति, गुण, कर्तव्य में सदा परम हो और सर्वज्ञाता व सर्वदाता हो। दादा लेखराज यानि प्रजापिता ब्रह्मा बाबा शिव परमात्मा के साकार माध्यम ब्रह्मा द्वारा उच्चारे हुए महावाक्यों के आधार पर जिनका आलौकिक और आध्यात्मिक पुनर्जन्म हुआ वे ही ब्रह्मा कुमारी और ब्रह्माकुमार कहलाये गए और उनके द्वारा स्थापित आध्यात्म आधारित शैक्षणिक संस्था को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय नाम दिया गया।सन 1936 में शुरू हुई इस संस्था ने 1937 में आध्यात्मिक ज्ञान, मूल्य आधारित शिक्षा व सहज राजयोग की शिक्षा देने की दुनियाभर में शुरूआत की थी। इस संस्था की प्रथम मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारी जगदम्बा सरस्वती थी। उनके बाद दादी प्रकाशमणि मुख्य प्रशासिका रही और फिर दादी जानकी के 104वर्षीय कन्धों पर इस विशाल संस्था की मुख्य प्रशासिका की जिम्मेदारी का भार तब तक टिका रहा जब तक कि उन्होंने शरीर नही छोड़ दिया।वर्तमान में दादी रतनमोहिनी इस संस्था की मुख्य प्रशासिका है।ब्रह्माबाबा के समय ब्रह्माकुमारी और ब्रह्माकुमार की संख्या सैकड़ों में हुआ करती थी परन्तु आज यह संख्या लाखों में पहुंच गई है। दुनिया के 140देशों में अपनी साढ़े आठ हजार से भी अधिक शाखाओं में करीब 15 लाख विद्यार्थी प्रतिदिन आध्यात्मिक व नैतिक मूल्यों की शिक्षा ग्रहण करते हुए राजयोग का अभ्यास करते है।इस संस्था व यहां के राजयोगियो की स्वीकार्यता है कि परमात्मा एक है और वह निराकार एवं अनादि है। जो विश्व की सर्वशक्तिमान सत्ता है और ज्ञान का सागर है। परमात्मा विश्व की सर्व आत्माओं का निराकार माता–पिता है। परमात्मा के साथ सम्बन्ध की स्मृति और परमात्मा के प्रति प्रेम को राजयोग कहा जाता है। संस्था का सन्देश है कि राजयोग का अभ्यास साधक को आध्यात्मिक परिवर्तन की शक्ति प्रदान कर संस्कारवान बनाता है तथा उसका चारित्रारिक उत्थान होता है जिससे साधक को आध्यात्मिक परिवर्तन की शक्ति व सकारात्मक ऊर्जा मिलती है । जिससे साधक को आध्यात्मिक व शारीरिक लाभ मिलता है जैसे मानसिक तनाव से मुक्ति–नकारात्मक संकल्पों की समाप्ति और शिव बाबा में समर्पण की शक्ति प्राप्त होती है।यह संस्था साधक को सहनशीलता, धैर्य, नम्रता, मधुरता व संतुष्टि का पाठ पढ़ाती है और पुरूषार्थ की शिक्षा देती है। ईश्वरीय विश्वविद्यालय की इस शिक्षा को वैश्विक स्वीकृति तो मिलने के साथ ही संस्था की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी प्राप्त हुई। तभी तो प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय को संयुक्त राष्ट्र संघ ने एनजीओ के रूप में मान्यता देते हुए यूनीसेफ एवं आर्थिक व सामाजिक परिषद का परामर्शदाता सदस्य बनाया हुआ है। साथ ही संस्था को अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति पदक पुरस्कार समेत विभिन्न देशों के पांच राष्ट्रीय स्तर के शांति दूत पुरस्कार प्राप्त हो चुके है। जो इस बात का प्रमाण है कि संस्था का श्ओउम शान्तिय मन्त्र दुनिया भर को शान्ति का संदेश देने में सफल सिद्ध हो रहा है।बेहतर विश्व के लिए संस्था ने अकादमी नाम से उच्च शिक्षा प्राप्ति का आधुनिक संस्थान भी विकसित किया है। मूल्य–निष्ट शिक्षा के लिए यहां 20 प्रभाग बनाये गए है। जिनमें शिक्षा, समाजसेवा, व्यवसाय एवं

उद्योग, कला एवं संस्कृति, खेल, ग्राम्य विकास, जनसंचार माध्यम, कानून, चिकित्सा, यातायात, सुरक्षा, धार्मिक, वैज्ञानिक एवं अभियन्ता, महिला, राजनीतिज्ञ, युवा विकास व प्रशासक सेवा प्रभाग शामिल है।जीवनकला, वैश्विक दृष्टिकोण, समकालीन नैतिक और सांस्कृतिक अभि संरचना के प्रगतिशील तत्वों पर आधारित अकादमी के पाठ्यक्रम बनाये गए है। जिसके माध्यम से समाज में हो रही गिरावट को रोकने की कौशिश की जा रही है।

चुनाव में टोपी से लेकर चाय तक का जुड़ेगा खर्च

महराजगंज। विधानसभा चुनाव में चुनावी खर्चे को लेकर दरें तय हो चुकी हैं। इस बार के चुनाव में टोपी से लेकर चाय तक खर्चा जुड़ेगा। नामांकन के अंतिम दिन निर्वाचन आयोग की टीम उम्मीदवारों को दैनिक चुनावी खर्च रजिस्टर उपलब्ध करा देगी। इसके बाद उम्मीदवारों को प्रतिदिन का चुनावी खर्च इसी रजिस्टर पर दर्ज करना होगा। यदि इसमें ढिलाई हुई तो कार्रवाई भी हो सकती है। उम्मीदवारों के चुनावी खर्चे की निगरानी को लेकर जिले के पांचों विधान सभा क्षेत्र वार व्यय लेखा टीमें गठित हो चुकी हैं। इन टीमों को उनके कार्य के संबंध में प्रशिक्षित भी किया जा चुका है। निर्वाचन व्यय लेखा टीम के प्रभारी वरिष्ठ कोषाधिकारी शालिग्राम ने बताया उम्मीदवार अपने चुनाव में अधिकतम 40 लाख रुपये तक खर्च कर सकते हैं। किसी एक मद में अधिकतम 10 हजार रुपये तक नकद खर्च कर सकते हैं। इससे अधिक वाले चुनावी खर्चे एकाउंट पेई चेक के जरिए करने होंगे। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया, उम्मीदवार अधिकतम 50 हजार रुपये तक अपने पास नकद रख सकते हैं। यदि इससे अधिक धनराशि है, और उसके बारे में संतोषजनक जवाब न मिलने पर वह धनराशि सील की जाएगी। कोषाधिकारी शालिग्राम ने बताया कि नियमों का उल्लंघन किए जाने पर चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार आयोग को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

चुनावी खर्चे की निर्धारित दरें

महराजगंज। प्रति पीस लड्डू सात रुपये,चाय–समोसा छह–छह रुपये,लंच पैकेट 45 रुपये, गेंदा फूल की माला 45 व गुलाब फूल की माला 65 रुपये, गेस्ट हाउस का भाड़ा 16 हजार से 50 हजार रुपये प्रतिदिन। माइक उद्घोषक व चालक समेत रिक्शा का भाड़ा 1100 रुपये व ई–रिक्शा चालक सहित 800 रुपये प्रतिदिन। बस का भाड़ा 5885 रुपये और ट्रैक्टर–ट्राली का भाड़ा 1200 रुपये प्रतिदिन। हैंडबिल 450 रुपये व झंडा 650 रुपये प्रति हजार। प्रति गमछा 45 रुपये, लकड़ी का कट आउट 2900 रुपये, टी–शर्ट 70 रुपये। टेंट पांच रुपये प्रतिदिन प्रति वर्ग फीट, मंच तीन लाइन 34 रुपये प्रति वर्ग फिट प्रतिदिन, गाड़ी ड्राइवर 350 रुपये दिहाड़ी प्रतिदिन। 11 हजार रुपये प्रति हजार कपड़े वाली टोपी और कागज वाली प्रति हजार टोपी का रेट तीन हजार रुपये तय हुआ है।

सर्विलांस टीम ने बरामद किए 50 मोबाइल

महराजगंज। पुलिस ने लोगों के गायब हुए 50 मोबाइल बरामद किए हैं। एसपी ने पुलिस कार्यालय में सभी मोबाइल को उनके मालिकों के सुपुर्द किया। मोबाइल पाकर सभी के चेहरे खुशी से खिल उठे। बरामद मोबाइल की कीमत सात लाख के करीब बताई जा रही है। प्रेसवार्ता कर एसपी ने मामले की जानकारी दी है। एसपी प्रदीप गुप्ता ने बताया कि पिछले तीन माह में खोए और गायब मोबाइलों की तलाश के लिए प्रार्थनापत्र मिले थे। उनकी जांच के लिए सर्विलांस टीम को लगाया गया था। सर्विलांस टीम ने खोजबीन के बाद 50 कीमती मोबाइल बरामद किए हैं।। उक्त मोबाइल जिले के अलावा बाहरी जनपद में चल रहे थे। सभी जगह टीम भेजकर मोबाइल बरामद कराए गए। बरामद फोन की कीमत सात लाख रुपये के लगभग है। इस कार्रवाई में एसओजी प्रभारी रामआशीष यादव, सर्विलास सेल के प्रभारी अनघ कुमार, मनोज कुमार यादव, मुख्य आरक्षी सुभाष सिंह, संजय सिंह, रामभरोष यादव, दीपेंद्र मल्ल, चंद्रशेखर यादव, विद्यासागर, अजय यादव, विनीत कुमार, धनंजय सिंह, शैलेंद्र त्रिपाठी, लक्ष्मण कुमार और सूरज गुप्ता आदि शामिल रहे। इनका बरामद हुआ मोबाइलः अजय कुमार, भुजराम, विशाल, प्रेमचंद्र, अनवर खान, संजीव शर्मा, रामचंद्र, भाष्कर , महेशर, रहमत, दीपेंद्र, सरिता, कमलेश, विलगू, राहुल गौतम, सचिद्र गुप्ता, चंद्रभान प्रसाद, संदीप सिंह, बृजेश शर्मा, रामसनेही यादव, गंगाराम यादव,राबिया, कौशल्या, संदीप साहनी, प्रत्युष पाठक, रामसेवक, जासमती, विद्रेश, शेषनाथ, नंदकिशोर, विनय , सुरेश, दीपक, रमाशंकर, श्रवण कुमार, दिनेश यादव, कुलदीप कुमार, सूरज पांडेय, सूरज गुप्ता, संदीप गुप्ता, अकसद, ताराचंद, रामकिशुन,राजाराम यादव, सुनील शुक्ला, गणेश साहनी, परविद्र कुमार, राजेश कुमार व पिकी देवी का नाम शामिल है।

अब डाकिया घर लेकर आएगा मतदाता पहचान पत्र

महराजगंज। विधानसभा चुनाव में पहली बार मतदाता बने लोगों को अब मतदाता पहचान पत्र के लिए बीएलओ का न तो चक्कर लगाना पड़ेगा और न ही बीएलओ पहचान पत्र गुम होने के बहाने ही बना पाएंगे। मतदाताओं को राहत देने के लिए इस बार मतदाता पहचान पत्र डाक के माध्यम से सीधे उनके घर भेजने की योजना है। जिले में बने नए 63 हजार मतदाताओं में से प्राप्त हुए 15 हजार मतदाता पहचान पत्र डाकघरों से भेजना शुरू कर दिया गया है। डाक विभाग ने जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्र के मतदाता पहचान पत्र का वितरण करने के लिए तहसील कार्यालयों से अनुबंध किया है। इसके अनुसार तहसील स्तर के डाकघर तहसील से मतदाता पहचान पत्र वितरण के लिए बुकिग करेंगे। बुकिग होने के बाद मतदाता पहचान पत्रों को क्षेत्रवार डाकघरों के लिए भेजेंगे। डाकघर से डाक शाखाओं तक मतदाता पहचान पत्र पहुंचेंगे। पोस्टमैन अपने–अपने आवंटित क्षेत्रों में मतदाता पहचान पत्रों का वितरण करेंगे। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सभी तक मतदाताओं तक मतदाता पहचान पत्र पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे चुनाव से पहले सभी मतदाताओं को अपने पहचान पत्र प्राप्त हो जाएं। एसडीएम की मोहर से पोस्ट होगा पहचान पत्रःपहले मतदाता पहचान पत्र तहसील से बनाकर भेज दिए जाते थे, लेकिन किन्ही कारणों के चलते मतदाता पहचान पत्र नहीं पहुंच पाते थे, जिससे मतदाताओं को पहचान पत्र के लिए परेशानी उठानी पड़ती थी। डाक विभाग द्वारा वितरण होने से अब मतदाता पहचान पत्र गायब नहीं हो सकेंगे। सभी मतदाताओं को भेजे जाने वाले कार्ड के लिफाफे पर एसडीएम की मोहर लगी होगी। जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में इस बार कुल 63 हजार नए मतदाता बने हैं। इसमें से करीब 15 हजार मतदाताओं का कार्ड बन चुका है, जिनको बीएलओ के बजाए डाक के माध्यम से भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

37 और मिले संक्रमित, फिर भी बेपरवाह घूम रहे लोग

महराजगंज। जिले में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बावजूद आमजन में इसे लेकर लापरवाही दिख रही है। वह सड़कों पर बिना मास्क लगाए घूम रहे हैं। 37 और संक्रमित पाए गए हैं। इस प्रकार सक्रिय रोगियों की संख्या 193 तक पहुंच गई है। कोरोना को लेकर प्रशासन भले ही लोगों को जागरूक कर रही है, और सख्ती भी बरत रही है, लेकिन बाजारों, सड़कों पर बेफिक्र बिना मास्क के घूम रहे लोग आमजन के लिए मुसीबत बने हैं। जिसका परिणाम है कि महराजगंज में आए दिन संक्रमितों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है। अगर यही लापरवाही रही तो यह आमजन के लिए भारी पड़ सकती है। नोडल अधिकारी डा. आइए अंसारी ने बताया कि जिले में कुल 12704 कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इसमें 12333 स्वस्थ हो चुके हैं। अब तक 141 की मृत्यु हो चुकी है। वर्तमान में सक्रिय रोगियों की संख्या 193 है।

यूपी बोर्डः परीक्षा केंद्र निर्धारण में मनमानी

देवरिया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा को लेकर तैयारी तेज हो गई है। बोर्ड की ओर से घोषित परीक्षा केंद्रों की प्रथम सूची में अधिकांश केंद्रों को 15 से 20 किलोमीटर की दूरी पर बना दिया गया है। जिससे छात्र से लेकर विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधक व प्रधानाचार्य परेशान हैं। साथ ही इसकी शिकायत भी उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में दर्ज कराया है। आनलाइन परीक्षा केंद्र निर्धारण के बाद 197 परीक्षा केंद्र बोर्ड की ओर से प्रथम सूची जारी हो गई है। परीक्षा केंद्र की सूची जारी होते ही विद्यालयों के प्रबंधक परेशान नजर आने लगे हैं। केंद्र निर्धारण में जमकर मनमानी हुई है। कमलावती देवी उमा विद्यालय सल्हपुर का केंद्र इंटर कालेज मायापुर इमलिया घांटी में भेजा गया है। जबकि छात्राओं का शोभा इंटर कालेज रामपुर को बनाया गया है। जबकि संस्था से नजदीक में किसान इंटर कालेज सल्हपुर, गौरीशंकर जनकदुलारी इंटर कालेज समेत अन्य विझालय हैं। श्रीकृष्ण शिक्षण संस्थान भलुअनी का केंद्र मझगांवा बनाया गया है।

भलुअनी के आसपास पांच केंद्र बनाए गए हैं। इसी तरह डा.भीमराव आंबेडकर कन्या इंटर कालेज बघौचघाट का केंद्र नैन कुमारी जगत नारायण इंटर कालेज सकतुवा, देवनंद इंटर कालेज पथरदेवा बनाया गया है, जो विद्यालय से काफी दूर है। सर्वोदय इंटर कालेज फतेहपुर का इंटर बालक वर्ग का केंद्र 15 किमी दूर एडी इंटर कालेज बभनी बनाया गया है। यह तो एक बानगी मात्र है। इस तरह के कई विद्यालयों के केंद्र बनाए गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक डीके गुप्ता का कहना है कि जो भी आपत्तियां आ रही हैं, उसका निस्तारण किया जाएगा। इसके लिए जिलाधिकारी की तरफ से समिति का गठन किया गया है। सभी आपत्ति का निस्तारण वह समिति ही करेगी।

उधर माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षक महासभा के प्रदेश अध्यक्ष लाल बहादुर यादव का कहना है कि जो केंद्र बनाए गए हैं, उसमें कोरोना को भी ध्यान में नहीं रखा गया है। 40 ऐसे केंद्र बने हैं, जहां 800 से 1200 छात्र–छात्राएं परीक्षा देंगी। इससे संक्रमण फैल सकता है।

कोरियर वितरक का सिपाही ने तोड़ा मोबाइल, लाइनहाजिर

महराजगंज। आनलाइन आर्डर पर मंगाए गए सामान की डिलीवरी देर से मिलने पर एसपी आफिस में तैनात सिपाही ने कोरियर वितरक के साथ न सिर्फ अभद्रता की, बल्कि उसका मोबाइल भी पटककर तोड़ दिया। मामले की जानकारी होते ही एसपी प्रदीप गुप्ता ने कार्रवाई करते हुए आरोपित सिपाही को तत्काल प्रभाव से लाइनहाजिर कर जांच का आदेश दिया है। साथ ही पीड़ित के मोबाइल की भी मरम्मत कराते हुए उसे संतुष्ट किया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में तैनात आरक्षी अमित यादव ने 15 दिन पूर्व आनलाइन एक जूता की खरीदारी की थी। जिसे लेकर जब कोरियर वितरक, शिकारपुर निवासी राजकुमार पहुंचा था तो वह उसे रिसीव नहीं कर पाए थे। आरोप है कि पुनः वही आर्डर देने के लिए जब कोरियर वितरक ने उन्हें फोन किया तो सिपाही ने फोन पर उनसे अभद्रता की। उसके बावजूद जब कोरियर वितरक सामान देने के लिए पुलिस आफिस पहुंचा तो उन्होंने सामान लेने से मना कर दिया और सबक सिखाने की बात कहकर उसके बाइक की फोटो खिंचने लगे। उधर कोरियर वितरक ने भी अपना मोबाइल निकालकर उनका वीडियो बनाने लगा। इतने में आक्रोशित सिपाही ने कोरियर वितरक का मोबाइल छिनकर पटक दिया। मोबाइल टूटने के बाद कोरियर वितरक पुलिस आफिस पर ही रोने लगा। पुलिस आफिस के कर्मियों ने इसकी सूचना तत्काल एसपी को दी। एसपी प्रदीप गुप्ता ने पीड़ित को स्वयं आवास पर बुलाकर उससे मुलाकात की और उसके मोबाइल की मरम्मत कराई। उन्होंने बताया कि आरोपित सिपाही अमित यादव को तत्काल प्रभाव से लाइनहाजिर कर उसके विरुद्ध विभागीय जांच के निर्देश दिए गए हैं।

टीकाकरण के आंकड़े के खेल में उलझा स्वास्थ्य विभाग

देवरिया। जिले में एक बार फिर काफी तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसे में टीकाकरण पर भी जोर दिया जा रहा है। कोरोना के निर्धारित लक्ष्य से अभी विभाग काफी दूर है। तकरीबन चार लाख लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाना शेष है। ऐसे में अभियान के तहत गांवों में कैंप लगाकर टीकाकरण किया जा रहा है। खास बात यह है कि टीकाकरण करने पहुंचे एनएम व स्वास्थ्य कर्मियों के पास ड्यू लिस्ट नहीं मिल रही है। जिससे गांव में टीकाकरण सं वंचित लोगों के बारे में जानकारी मिल सके। विभागीय लापरवाही से गांवों में टीकाकरण होने के बाद भी सही आंकड़ा नहीं मिल पा रहा है। जिससे मुश्किलें बढ़ गई हैं। जिले की आबादी तकरीबन 35 लाख है। जिसमें 22 लाख लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके सापेक्ष अभी तक तकरीबन 18 लाख लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाया गया है। गांवों में टीका लगने के बाद भी यह आंकड़ा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। गांवों में अधिकांश लोग कोरोनारोधी टीका लगवा चुके हैं। गांवों में काफी कम संख्या में लोग टीका लगाने के लिए मिल रहें। अधिकारी जब जांच करने पहुंच रहे हैं तो किसी भी एनएम के पास ड्यू लिस्ट नहीं मिल रही है। जिससे पता चल सके कितने लोगों को गांव में टीका लगाना था और कितने शेष रह गए हैं। जिससे टीका से वंचित लोगों की तस्वीर सामने नहीं आ पा रही है। इसका डाटा भी अपलोड नहीं हो पा रहा है। टीका लगने का सही आंकड़ा नहीं मिल पा रहा है।

थर्ड जेंडर का कोई डाटा नहीं: जिले में कितने थर्ड जेंडर को टीका लगाया जाना है इसका कोई डाटा विभाग के पास नहीं है। यहीं नहीं घुमंतू लोगों व भीख मांगने वाले लोगों का भी आंकड़ा विभाग नहीं है। इन्हें अभी टीका नहीं लग सका है। लोगों का कहना है कि थर्ड जेंडर लोगों के यहां शुभ कार्यों में मंगल गीत गाने जाते हैं। उनसे संक्रमण का खतरा है लेकिन इस तरफ किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के पास पूरे जिले का आंकड़ा है। गांवों में एएनएम क्यों ड्यू लिस्ट लेकर नहीं जा रही हैं। इसके बारे में पता किया जाएगा। टीकाकरण शत प्रतिशत पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है।

मारपीट का मुकदमा दर्ज

महराजगंज। परसामलिक थाने की पुलिस ने बच्चे को मारने पीटने के आरोपित पर मुकदमा पंजीकृत किया है। क्षेत्र के बरनहवा गांव निवासी कलीमुन निशा ने पुलिस दिए तहरीर में लिखा है कि बीते मंगलवार को बच्चों के बीच हुए विवाद में आरोपित शहजाद ने मेरे बच्चों को मारा पीटा। थानाध्यक्ष गोरखनाथ सरोज ने बताया कि शहजाद निवासी अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

तीन के विरुद्ध गुंडा एक्ट की कार्रवाई

महराजगंज। परसामलिक थाने की पुलिस ने क्षेत्र के तीन लोगों के विरुद्ध गुंडा एक्ट की कार्रवाई की है। थानाध्यक्ष गोरखनाथ सरोज ने बताया कि सगरहवा निवासी शफात व धर्मराज तथा दोगहरा गांव निवासी राम किशुन के विरुद्ध गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई है।

ठंड का दिखा असर, 1066 की हुई कोरोना जांच

महराजगंज। कोरोना की जांच के कार्य पर ठंड और अवकाश का असर साफ दिखा। इस दौरान सिर्फ 1066 लोगों की ही जांच की जा सकी। ..महिला अस्पताल सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, और जनपद की सीमा में प्रवेश करने वाले मार्गों पर जांच के लिए शिविर लगाई गई। लेकिन अवकाश और ठंड के कारण एक तरफ जहां कम लोग घर से निकले, वहीं बसें भी कम निकलीं। जिसके चलते रोज की अपेक्षा इस दिन जांच का कार्य 1066 में ही सिमट कर रह गई। नोडल अधिकारी डा. आइए अंसारी ने बताया कि एंटीजन से 536 लोगों की जांच की गई। आरटीपीसीआर जांच के लिए 530 लोगों का नमूना भेजा गया है।

कार ने बाइक में मारी टक्कर, छात्र की मृत्यु

देवरिया। बैतालपुर–देवरिया के बीच रुच्चापार गांव के सामने फोरलेन पर कार की टक्कर से घायल बाइक सवार प्रतियोगी छात्र अंकुर मिश्र की रात मृत्यु हो गई। बाइक चला रहे उनके दोस्त को चोटें आई हैं, जिसका इलाज जिला अस्पताल में कराया गया। टक्कर मारने के बाद कार लेकर चालक फरार हो गया। मईल थानाक्षेत्र के कसिली गांव के रहने वाले डा.विकास मिश्र की न्यू कालोनी में मकान है। उनके दूसरे नंबर के 25 वर्षीय पुत्र अंकुर मिश्र बीटेक के बाद दिल्ली में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते थे। 15 दिन पूर्व वह दिल्ली से घर आए थे। रात में करीब नौ बजे अपने दोस्त ईशान मिश्र के साथ बैतालपुर ढाबा पर भोजन करने गए थे। भोजन करने के बाद दोनों दोस्त बाइक से घर के लिए चले। बाइक ईशान चला रहे थे। अंकुर पीछे बैठे थे। अभी रुच्चापार गांव के सामने पहुंचे थे कि तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी।

20 मीटर तक घसीटता रहा बाइकः कार में फंसकर बाइक करीब 20 मीटर तक घसीटता चला गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अगल–बगल व अन्य लोगों की भीड़ जुट गई। एंबुलेंस बुलाकर दोनों लोगों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने अंकुर को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल ईशान का इलाज हुआ। बाइक चला रहे दोस्त ईशान मिश्र हेलमेट पहने थे। टक्कर के बाद उनको भी चोटें आईं, लेकिन हेलमेट पहनने के कारण उनकी जान बच गई।

दुर्घटना से कुछ देर पहले स्वजन ने फोनकर अंकुर को घर आने के लिए कहा। उन्होंने 15 मिनट में घर पहुंचने की बात कही, लेकिन होनी को कौन टाल सकता था। अंकुर के घर नहीं पहुंचने पर स्वजन चिंतित हो उठे और तलाश करने लगे। किसी परिचित ने स्वजन को दुर्घटना के बारे में जानकारी दी। स्वजन जिला अस्पताल पहुंचे, जहां शव की शिनाख्त की। मृतक अंकुर के पिता चिकित्साधिकारी पद से सेवानिवृत्त हैं। बड़े भाई मनीष मिश्र ठीकेदार हैं। उनकी एक बहन हैं। दुर्घटना के बाद परिवार में चीख पुकार मच गई।

चीनी बिक्री के पेच में फंसा किसानों का 14.9 करोड़

देवरिया। प्रतापपुर चीनी मिल पर गन्ना किसानों का 14.6 करोड़ रुपये बकाया है। मिल किसानों का बकाया भुगतान नहीं कर रहा है जिससे किसान परेशान हैं और आर्थिक रूप से कठिनाई का सामना कर रहे हैं। किसानों को मिल चीनी बिक्री कर उससे मिले धन से भुगतान कर रहा है। पिछले सत्र के बकाया का भुगतान अभी पूरा नहीं हुआ था कि नए सत्र का भी गन्ना पेराई कार्य शुरू हो गया है। बकाया भुगतान नहीं होने से किसान मिल का चक्कर काट रहे हैं। पेराई सत्र 2020–21 का भी 14.9 करोड़ का बकाया भुगतान नहीं किया गया है। इसको लेकर किसानों में मिल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी है। प्रतापपुर चीनी मिल में यूपी – बिहार के किसानों का गन्ना आता है। मिल चीनी बिक्री कर बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान करता है। कुल बकाया भुगतान 40 करोड़ करोड़ में 22 करोड़ भुगतान के बाद चीनी समाप्त हो गई। ऐसे में नए सत्र में गन्ना पेराई का कार्य शुरू हो गया है। चीनी का निर्माण शुरू होने के बाद फिर से किसानों का भुगतान किया जा रहा है। अभी भी किसानों का पिछले पेराई सत्र का 14.9 करोड़ बकाया है। प्रतापपुर में मिल चीनी की बिक्री कर बकाए का भुगतान कर रहा है। किसानों के बकाए भुगतान को लेकर मिल को नोटिस दी गई है। किसानों का बकाया भुगतान कराने की वूरी कोशिश की जा रही है। बेटी की बीमारी के लिए रुपये की आवश्यकताः जगदीशपुर गांव निवासी नवल बिहारी की बेटी के आपरेशन के लिए रुपये की आवश्यकता है लेकिन मिल मिल रुपये नहीं दे रहा है। कई बार मिल का चक्कर काट कर थक गए हैं। बिरजानंद यादव खिरिया को बेटे की पढ़ाई के लिए रुपये की आवश्यकता है लेकिन उनका भी भुगतान मिल नहीं कर रहा है। जिससे वह आर्थिक रूप से परेशान हैं।

ओमप्रकाश के संघर्षों से शिक्षक समाज को मिली उपलब्धि

देवरिया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन इंटर कालेज में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा की पुण्यतिथि मनाई गई। जिलाध्यक्ष अवधेश सिंह ने कहा कि उनके आदर्श, उनकी नीतियां आज भी पथ प्रदर्शक के रूप में हमारा मार्ग दर्शन कराती हैं। उनके संघर्षों ने शिक्षक के लिए बड़ी–बड़ी उपलब्धियां हासिल कराई है। शिक्षक समाज उनका सदैव ऋणी रहेगा। शिक्षक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष ध्रुव नारायण मिश्र ने कहा कि नए अध्यापक उनके कार्यशैली और संघर्षों से प्रेरणा लें। जिलामंत्री दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली का जो संघर्ष उन्होंने शुरू किया, हम उसे आगे ले जाएंगे, उन्होंने कहा कि अगर हम संघर्ष नहीं करेंगे तो सरकार हमारी उपलब्धियां छीन लेगी। विजय भारत सिंह ने कहा कि उन्होंने शिक्षकों के लिए बहुत संघर्ष किया। मिश्री लाल ने कहा कि वह बेहद सरल–सहज और लोकप्रिय नेता था। उमाशंकर पाठक, रामाधार यादव, इकरामुल हक, मोहन सिंह, उमाशंकर दास, अभिषेक पांडेय, गोरखनाथ गुप्ता, राजेश गुप्त, अशोक तिवारी, रामप्रताप यादव, अरविद चौधरी, राघवेंद्र पांडेय, राम प्रकाश शर्मा, विवेकानंद मिश्र, प्रशांत द्विवेदी, रमेश चंद तिवारी, अशोक कुमार शुक्ल, सुनील कुशवाहा, कमलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

ओमप्रकाश शर्मा को दी गई श्रद्धांजलिः शिक्षक–कर्मचारी संघर्ष समिति के तत्वावधान में भीखमपुर रोड में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा की पुण्यतिथि मनाई गई। समिति के संयोजक उमाशंकर लाल श्रीवास्तव ने कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश के शिक्षकों ने जो संघर्ष किया, उसी का परिणाम है कि आज शिक्षक समुदाय समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जी रहा है। अजीत कुमार त्रिपाठी ने कहा कि सरकार के सुनियोजित षड़यंत्र के कारण विधान परिषद का चुनाव शर्मा जरूर हार गए, लेकिन उनके जज्बे में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। रामरक्षा दुबे, प्रेम चंद्र मिश्र,डा.महेंद्र राय, कृष्ण मोहन सिंह, बीडी पांडेय,राजेश राय, डा.नीतेश गोंड़, विपिन श्रीवास्तव, शैलेंद्र सैनी,धर्मेंद्र तिवारी, अखिलेश नंदन श्रीवास्तव, जवाहर यादव, बेचन यादव मौजूद रहे।

ठंड का प्रकोप बढ़ा, नहीं जले अलाव

महराजगंज। पिछले कुछ दिनों से एकाएक मौसम ने करवट बदल दिया। सर्दी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। दोपहर तक क्षेत्र शीतलहर की चपेट में रह रहा है। बीते कुछ दिनों से तो मौसम में इतनी गलन बढ़ गई है कि लोग परेशान हैं। तहसील प्रशासन द्वारा अभी तक सार्वजनिक स्थलों पर कहीं भी अलाव नहीं जलाया गया है। जिससे राहगीरों, मजदूरों व गरीबों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा व ठेला चालक ठंड से बेहाल हैं। ग्रामीण क्षेत्र के किसी भी सार्वजनिक स्थल पर अभी तक तहसील प्रशासन द्वारा अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। क्षेत्र के निवासी लक्ष्मी नरायन, शिवकुमार, गुड्डू यादव, रामसंवारे, राजकुमार, दूधनाथ आदि ने तहसील प्रशासन का ध्यान इस समस्या की ओर आकृष्ट कराते हुए अलाव की व्यवस्था करने की मांग की है।

सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस ने किया सघन जांच

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। नेपाल सीमा से सटे भारतीय क्षेत्र के नौतनवां कस्बे मे आगामी चुनाव के दृष्टिगत नौतनवा प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार पांडे द्वारा कस्बे के बैंक, एटीएम, बाजार, चौक चौराहे सहित मुख्य मार्गों के पेट्रोल पंप पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की गयी। चेकिंग के दौरान यातायात नियमों तथा कोरोना गाइड लाइन का भी पालन कराया जा रहा है। बता दो कि आज सोमवार की दोपहर को नौतनवा कस्बे के मुख्य मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप एटीएम और बैंकों संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे लोगों की जांच की गई और उन्हें हिदायत देकर छोड़ा गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक नौतनवा राजेश कुमार पांडे ने कहा कि कप्तान के निर्देश पर चुनाव के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जांच किया जा रहा हैं।

पन्द्रह से अट्ठारह वर्ष के छात्र-छात्राओं का हुआ कोविड-19 टीकाकरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के जनता इण्टर कालेज दुबौली में सोमवार को 15 से 18 वर्ष के छात्र–छात्राओं का सीएचसी प्रभारी डॉ. कृष्ण मोहन अग्रवाल की टीम द्वारा कोविड–19 टीकाकरण किया गया। जिसमें कुल 550 छात्र–छात्राओं ने कोरोनारोधी टीका लगवाया। डॉक्टरों की टीम में विकास राय, मंशा यादव, ऊषा राय, विमला पाण्डेय, शशिप्रभा, वीना कुमारी रही।विद्यालय के प्रबंधक प्रतिनिधि सुभाष राय पहलवान द्वारा डॉक्टर टीम का विद्यालय आकर छात्रों का टीकाकरण करने के लिये आभार व्यक्त किया गया। डॉक्टर टीम के सहयोग में शिक्षक शिवचन्द, सुरेश राम त्रिपाठी, बैरिस्टर सिंह, डॉ. नीरज कुमार, पुष्पा देवी, रामसेवक प्रसाद, हीरालाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

चुनाव को लेकर नोडल अधिकारी/सहायक नोडल अधिकारियों की बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। सभी नोडल अधिकारीध्सहायक नोडल अधिकारी आवंटित निर्वाचन कार्यों का भली–भांति निर्वहन करते हुए सफलतापूर्वक कराएंगे चुनाव संपन्न – मुख्य विकास अधिकारी विधानसभा सामान्य निर्वाचन– 2022 को सुचारू, शांतिपूर्ण, निर्विघ्न, निष्पक्ष रुप से संपन्न कराए जाने हेतु विभिन्न निर्वाचन कार्यों हेतु नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारियों की बैठक मुख्य विकास अधिकारी रिया केजरीवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में सहायक नोडल अधिकारी कार्मिक एवं प्रशिक्षण जिला विकास अधिकारी ने बताया कि सभी मतदान कार्मिकों का फीडिंग कार्य पूर्ण किया जा चुका है। मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण दिए जाने हेतु मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्य संपन्न हो चुका है। नोडल अधिकारी निर्वाचन व्यय लेखा वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि जनपद में उड़नदस्ता टीम एवं स्थाई निगरानी समिति सक्रिय हो गई है एवं कार्य कर रही हैं।

यातायात व्यवस्था के सहायक नोडल अधिकारी एआरटीओ बलरामपुर ने बताया कि निर्वाचन कार्य हेतु जनपद में 395 बड़ी बसों की आवश्यकता पड़ेगी जिसके सापेक्ष जनपद में 160 बड़े वाहन उपलब्ध हैं, शेष बड़े वाहन हेतु मंडल के जनपदों से डिमांड की जाएगी, छोटे वाहन आदि कि किसी प्रकार की समस्या नहीं है। इसी प्रकार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की व्यवस्था, ईवीएम हेतु मतपत्र छपाई, डाक मतपत्र, लेखन सामग्री एवं निर्वाचन सामग्री आदि की व्यवस्था, प्रेक्षक व्यवस्था, टेंट, फर्नीचर, बैरिकेटिंग, साउंड एवं प्रकाश आदि की व्यवस्था, कम्युनिकेशन प्लान, मॉडल कोड आफ कंडक्ट,शांति सुरक्षा व्यवस्था, मतदान कार्मिकों को डाक मतपत्र जारी किए जाने की व्यवस्था, मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था, वीडियोग्राफी, सीसीटीवी कैमरा, दिव्यांग मतदाताओं की व्यवस्था, वाहनध्जुलूसध्सभाध हेलीकॉप्टर की अनुमति जारी किए जाने का कार्य, प्रोटोकॉल, कोविड–19 प्रबंधन आदि कार्य के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों द्वारा तैयारियों के संबंध में विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया एवं जानकारी दी गई। अपर जिलाधिकारी रामअभिलाष द्वारा जिला दिव्यांगजन अधिकारी को दिव्यांग मतदाताओं हेतु प्रत्येक मतदान केंद्र पर व्हीलचेयर की व्यवस्था किए जाने का निर्देश दिया गया। चुनाव के दौरान कोविड–19 प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित किए जाने हेतु प्रत्येक मतदान केंद्र पर सैनिटाइजर, मास्क की उपलब्धता सुनिश्चित कराए जाने तथा सभी मतदान कार्मिकों तथा चुनाव में लगे समस्त अधिकारियोंध कर्मचारियों का डबल डोज वैक्सीनेशन सुनिश्चित किए जाने तथा जिन कार्मिकों का दूसरे डोज की अवधि 9 माह पूर्ण हो गई है उनको बूस्टर डोज दिए जाने का निर्देश दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सभी नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी सौपे पर गए दायित्वो का भली–भांति निर्वहन करते हुए विधानसभा निर्वाचन को सकुशल, शांतिपूर्ण, एवं निष्पक्ष रुप से संपन्न कराएंगे। चुनाव कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। इस अवसर पर अपर उपजिलाधिकारी ज्योति, जिला विकास अधिकारी गिरीश चंद पाठक, वरिष्ठ कोषाधिकारी विनोद कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए अनिल कुमार सिंह, डीपीआरओ निलेश प्रताप सिंह, उपनिदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संजीव कुमार व अन्य संबंधित अधिकारीध कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोविड टीका लगवाकर करें गाइडलाइन का पालनः मौलाना अब्दुल वहाब खां

कोविड टीकाकरण के साथ लोगों को कर रहे जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। एक बार फिर कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए कोरोना की टीका लगवाना बहुत जरूरी है। दिन प्रतिदिन कोरोना के बदलते और बिगड़ते स्वरूप के कारण पूरी दुनिया इससे परेशान है। इस बीमारी से बचने के लिए सभी उम्र के लोग कोरोना का टीका लगवाएं और अपने रिश्तेदारों व नातेदारों को भी कहें कि वे भी इस टीके को फौरन लगवा लें। यह बातें सोमवार को मदरसा जामिया अहलेसुन्नत फकरूल उलूम में 15 से 17 साल के बच्चों को टीकाकरण के दौरान प्रिंसिपल मौलाना अब्दुल वहाब खां ने कही। उन्होने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि जिले में एक बार फिर कोरोना तेजी से फैल रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम टीका लगवाने के साथ साथ कोविड गाइडलाइन का पालन करें। इसके लिए जरूरी है कि हम जब भी घर से निकलें मास्क जरूर लगाएं। कुछ भी खाने से पहले हाथों को सेनेटाइज जरूर करें। एक दूसरे से दूरी बनाकर बात करें और जरूरी ना हो तो घर से बाहर ना निकलें क्यों कि जब हम घर से बाहर जाएंगें और सावधानी नहीं बरतेंगें तो कोरोना हमारे घर तक चला आयेगा। कोविड 19 वैक्सीनेशन सत्र के दौरान लोगों को जागरूक करते हुए पिरामल स्वास्थ्य के डीपीएल राकेश शुक्ल ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए कोरोना का टीका लगवाना बहुत जरूरी है। इसके साथ–साथ हमें कोरोना से बचाव के जो भी गाइडलाइन बताये जाते हैं, उनका भी पालन करने की आवश्यकता है। दो गज की दूरी और मास्क है जरूरी, इस बात को हमें हमेशा याद रखना चाहिए। मदरसे में टीकाकरण शिविर के दौरान अशरफ अली, सदा, मोहम्मद तौफीक नाजमी, इशरत जहां, मोहम्मद इमरान, नसीमुल हक सहित 20 युवाओं ने कोराना का टीका लगवाया। टीका लगवाने के बाद सदा और इशरत जहां ने बताया कि अल्लाह ये नहीं कहता कि अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह बने रहें इसलिए जैसे ही हम उम्र को टीका लगना शुरू हुआ वैसे ही हमने ने टीका लगवा लिया। मदरसे में टीकाकरण के दौरान एएनएम शालीन्द्री राय, मौलाना मोहम्मद अकरम, कारी गुलाम सरवर, अशफाक अहमद, कलीमुल्ला व मौलाना मुस्ताक की अहम भूमिका रही। ईंट भट्टे पर हुआ 50 मजदूरों का टीकाकरण हैप्पी टू हेल्प संस्था ने भी ईंट भट्टे पर अभियान चलाकर लोगों को कोरोना का टीका लगवाने के लिए जागरूक किया। सोमवार को संस्था के सहयोग से ईटईरामपुर के ईट भट्टे पर शिविर का आयोजन कर 50 से अधिक मजदूरों का टीकाकरण करवाया गया। संस्था के सदस्य शहजाद व फिरोज अहमद ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से ऐसे इंतेजाम किये गये है कि जो मजदूर रोज कमाकर अपने परिवार का पेट भरता है। ऐसे लोगों के कार्य स्थल पर ही उन्हे टीका लगवाने की व्यवस्था की जा रही है। टीकाकरण के दौरान स्वास्थ्य कर्मी हितेश, सब्बू, सुरेश कुमार, राम चंद्र, कल्लू, संतराम यादव व मोहित आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग का कारनामा, स्वर्गवासी को लगा दिया कोरोनारोधी टीका

दैनिक बुद्ध का संदेश

अलीगढ़। में अब तक बिना केंद्र पहुंचे टीकाकरण और जीवित को कोरोना से मृतक दर्शा कर लाभ पहुंचाने के मामले सामने आए। इसी प्रकार का एक और नया हैरान कर देने वाला मामला यह सामने आया है कि अलीनगर निवासी जिस मोहम्मद आरिफ की 8 दिसंबर को मृत्यु हो चुकी है। उसको स्वास्थ्य विभाग ने कोरोनारोधी टीका लगवा दिया। म्रतक के परिजनों की शिकायत है कि मोहम्मद आसिफ ने 17 सितंबर को वैक्सीन लगवाई थी। लेकिन दूसरी डोज 15 जनवरी को लगने से पहले ही 8 दिसंबर को उसकी कुछ बीमारी के चलते मृत्यु हो गई। मेडिकल रोड पर स्टेसनरी की दुकान चला रहे म्रतक के भाई मोहम्मद रिजवान ने बताया कि वैक्सीनेशन में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर 15 जनवरी शनिवार के दिन सीएचसी छलेसर केंद्र से दूसरी डोज लगने का मैसेज प्राप्त हुआ। उस मेसेज को ओपन किया तो सर्टिफिकेट डाउनलोड करने का ऑप्शन आया उसी साइट से फाइनली दूसरी दोस्त का सर्टिफिकेट डाउनलोड भी हो गया। जबकि मृतक क्षेत्र की कब्र नंबर आठ में दफन है। वहीं इस मामले पर कांग्रेस नेता आगा यूनिस ने कहा कि वैक्सीनेशन के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करके रेलवे स्टेशन दिखाए जा रहे हैं। लेकिन इस मामले में अलीगढ़ के सीएमओ नीरज त्यागी से बात की गई तो उन्होंने बताया है कि वैक्सीनेशन रजिस्ट्रेशन के दौरान मोबाइल नंबर की लास्ट डिजिट गलत पड़ने के कारण ऐसा हुआ है। जिसे सुधारा जा रहा है। लेकिन बड़ा सवाल यहाँ यह उठता है कि अगर मोबाइल नंबर गलत पड़ गया है तो आधार कार्ड दर्ज करने का क्या मतलब बनता है।

नगर आयुक्त ने ई चार्जिंग बस स्टेशन का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अलीगढ़ में नगरीय परिवहन व्यवस्था में सुधार के लिए भेजी गई ई बैटरी बसों के संचालन को प्रभावी बनाने के लिए नगर आयुक्त गौरांग राठी ने परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ सारसौल स्थिति ई चार्जिंग बस स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने बसों को रात में ड्राई रन करने के निर्देश देते हुए जल्द से जल्द मेंटेनेंस डिपो व चार्जिंग स्टेशन का सभी काम तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए साथ ही साथ नगर आयुक्त ने सुरक्षा की दृष्टि व परिवहन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए इन बसों की मूवमेंट पर निगरानी इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से लिंक कराने एवं अशोक के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे सुचारू रूप से संचालित कराने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने बताया उत्तर प्रदेश शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई बैटरी बसों को महानगर के रूट नंबर 1= खेरेश्वर चौराहे से नादा पुल, सूत मिल चौराहा, तहसील तिराहे, रसलगंज चौराहा,गांधी पार्क बस अड्डा, दुबे का पड़ाव, एटा चुंगी चौराहा, धनीपुर मंडी,बोनेर तिराहे तक। रूट नंबर 2= हरदुआगंज चौराहा से क्वारसी चौराहे,गांधी आई हॉस्पिटल,दुबे का पड़ाव चौराहा,गांधीपार्क बस अड्डा, रसलगंज सूत मिल चौराहो सारसौल फल मंडी, मेहरावल तक। रूट नंबर 3=मडराक से मुकन्दपुर, राठी हॉस्पीटल, सासनी गेट चौराहे,हाथरस अड्डा, मदार गेट, गॉधी पार्क बस अड्डे, रसलगंज तिराहा, तहसील तिराहा, तस्वीर महल, कलेक्ट्रेट, दोदपुर चौराहा, मेडिकल कॉलेज तक। रूट नंबर 4=शिवदान सिंह कॉलेज से सासनी गेट, हाथरस अड्डा, मदार गेट, गांधी पार्क बस अड्डा, दुबे का पड़ाव चौराहा, गांधी आई हॉस्पिटल, क्वार्सी चौराहा, ताला नगरी, हरदुआगंज चौराहे तक। रूट नंबर 5=महेशपुर तिराहे से धौर्रा माफी, क्वारसी चौराहा, बाईपास होते हुए एटा चुंगी, नौरंगाबाद,छर्रा अड्डा पुल तक ई बस सेवा शुरू की जा रही है। नगर आयुक्त गौरांग राठी ने कहा कि बस सेवा की शुरुआत होने से अलीगढ़ की परिवहन व्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा शहर वासियों को कम किराए में एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने में ही ई बस सेवा बहुत उपयोगी साबित होगी।

भाजपा ने जिले की सात में से छह सीटों पर घोषित किए प्रत्याशी

मौजूदा विधायक दलबीर सिंह का कटा टिकट

दैनिक बुद्ध का संदेश

अलीगढ़। कोल से मौजूदा विधायक अनिल पाराशर, छर्रा से विधायक रविन्द्रपाल सिंह, इगलास से विधायक राजकुमार सहयोगी, खैर से विधायक अनूप प्रधान, अतरौली से कल्याण सिंह के पौत्र प्रदेश सरकार में मंत्री संदीप सिंह को टिकट जारी किया गया है।कोल से मौजूदा विधायक अनिल पाराशर, छर्रा से विधायक रविन्द्रपाल सिंह, इगलास से विधायक राजकुमार सहयोगी, खैर से विधायक अनूप प्रधान, अतरौली से कल्याण सिंह के पौत्र प्रदेश सरकार में मंत्री संदीप सिंह को टिकट जारी किया गया है।कोल से मौजूदा विधायक अनिल पाराशर, छर्रा से विधायक रविन्द्रपाल सिंह, इगलास से विधायक राजकुमार सहयोगी, खैर से विधायक अनूप प्रधान, अतरौली से कल्याण सिंह के पौत्र प्रदेश सरकार में मंत्री संदीप सिंह को टिकट जारी किया गया है। अलीगढ़ में भाजपा ने जिले की सात में से छह सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। जिनमें एक शहर सीट को अभी होल्ड पर रखा है। माना जा रहा है कि इस सीट पर मौजूदा विधायक संजीव राजा और दूसरे दावेदारों में टिकट को लेकर कांटे की टक्कर है। वहीं जो छह सीटें घोषित किए हैं, उनमें एक सबसे महत्वपूर्ण बरौली सीट पर बदलाव करते हुए मौजूदा विधायक ठाकुर दलबीर सिंह का टिकट काटा है। उनके स्थान पर भाजपा के ही एमएलसी पूर्व कद्दावर मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह को टिकट दिया गया है। इसके अलावा पांच सीटों पर मौजूदा विधायकों को ही फिर से मौका दिया गया है।कोल से मौजूदा विधायक अनिल पाराशर, छर्रा से विधायक रविन्द्रपाल सिंह, इगलास से विधायक राजकुमार सहयोगी, खैर से विधायक अनूप प्रधान, अतरौली से कल्याण सिंह के पौत्र प्रदेश सरकार में मंत्री संदीप सिंह को टिकट जारी किया गया है। लोगों को शहर सीट का इंतजार है और बरौली में विधायक का टिकट कटने पर किसी बड़े राजनीतिक घटनाक्रम का भी इंतजार है।

घर पर ही सही देखभाल से कोरोना को दें मात

इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर से रखी जा रही निगरानी, मिल रहा परामर्श

दैनिक बुद्ध का संदेश

अलीगढ़। कोविड–19 के मामले बढ़ जरूर रहें हैं लेकिन पहली दो लहर जैसी गंभीर स्थिति संक्रमितों में इस बार नहीं देखी जा रही है। बहुत से लोगों में तो कोई खास लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं, फिर भी उनकी रिपोर्ट पाजिटिव आ रही है । ऐसी स्थिति में घर पर ही रहकर कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए और स्वास्थ्य महानिदेशालय से जारी दवाओं का सेवन करते हुए कोरोना को आसानी से मात दिया जा सकता है । इसके साथ ही सरकार द्वारा कोविड की जांच, उपचार और रेफर के लिए बनाए गए इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर से संक्रमितों की निगरानी की जा रही है और जरूरी परामर्श भी दिए जा रहे हैं । स्वास्थ्य महानिदेशालय ने इस बार कोविड को मात देने के लिए समिति द्वारा निर्धारित दवाओं की सूची जारी करने के साथ ही कोरोना से निपटने के लिए की गईं तैयारियों और बरती जाने वाली सावधानियों का भी जिक्र किया है । पत्र के मुताबिक इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर से होम आइसोलेशन के पात्र मरीजों के स्वास्थ्य की स्थिति की निरंतर निगरानी की जा रही है । किसी होम आइसोलेटेड मरीज के लक्षण युक्त हो जाने या उसे चिकित्सकीय सहायता की जरूरत होने पर इलाज व संदर्भन की सुविधा मिल रही है । इसके अलावा जन सामान्य को कोविड से बचाव के उपायों और प्रदेश में उपलब्ध कोविड की जांच व इलाज की उपलब्ध सेवाओं के बारे में अवगत कराया जा रहा है । चिकित्सीय सलाह की सुविधा पूरे समय के लिए उपलब्ध है । ई–संजीवनी एप के माध्यम से घर पर ही अनुभवी चिकित्सकों द्वारा मुफ्त कंसल्टेंसी की सुविधा दी जा रही है । सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर मुफ्त कोविड टीकाकरण किया जा रहा है । नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर मुफ्त कोविड जांच और लक्षण युक्त व्यक्तियों के लिए उपचार की सुविधा मौजूद है । विशेष परिस्थितियों में हेल्पलाइन नंबर– 1800–180–5145 और 104 नंबर की भी मदद ली जा सकती है । ध्यान देने वाली बात यह है कि यदि परिवार में कोई व्यक्ति कोविड पाजिटिव है तो होम आइसोलेशन के नियमों का पालन करें और घर से बाहर न निकलें । इसके अलावा यदि खुद कोविड के लक्षणों से ग्रसित हैं तो खुद को परिवार के अन्य सदस्यों से दूर रखें और घर से बाहर न निकलें । विकासनगर में होम आइसोलेशन में रहने वाली 46 वर्षीया रश्मि (बदला हुआ नाम) ने बताया कि कोविड पाजिटिव की रिपोर्ट आने के बाद उन्हें घर पर ही मेडिकल किट मुहैया करा दी गई थी और दिन में तीन–चार बार इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर से फोन पर हालचाल ली जाती है और आक्सीजन लेवल की भी जानकारी ली जाती है । इन परिस्थितियों में हेल्पलाइन या डाक्टर से संपर्क करें –लगातार कई दिनों तक 101 डिग्री से अधिक का बुखार सांस फूलना और सांस लेने में परेशानी होना पल्स आक्सीमीटर से नापने पर आक्सीजन का स्तर 94 फीसद से कम आना भ्रम की स्थिति उत्पन्न होने पर छोटे बच्चों में कोविड के लक्षण – बुखार, खांसी, जुकाम लगातार रोना दूधध्खुराक लेना बंद कर देना दस्त लगना पसली चलना निढाल पड़ जाना 12 वर्ष से अधिक के लोगों में कोविड के लक्षण –बुखार, खांसी, जुकाम व थकावट सिर दर्द व बदन दर्द स्वाद या गंध की चेतना का चला जाना बुखार के साथ दस्त बुखार के साथ त्वचा पर चकत्ते कोविड से बचाव एवं सावधानियाँ – हमेशा मास्क का इस्तेमाल करें मास्क को ठीक तरह से पूरे मुंह व नाक को ढकते हुए लगाएं सोशल डिस्टेंसिंग (छह फुट की दूरी) का पालन करें अनावश्यक घर से बाहर न निकलें लक्षण आने पर खुद को परिवार के अन्य सदस्यों से अलग रखें और जांच कराएं बार–बार साबुन–पानी से अच्छी तरह से हाथों को धुलते रहें समय से कोविड टीकाकरण जरूर कराएं दवाओं के साथ इन बातों का भी रखें ख्याल रू सांस संबंधी व्यायाम, योग व प्राणायाम दिन में 20 से 30 मिनट तक करें (सहज महसूस करने पर ही) दिन में तीन से चार बार श्वसन दर (रेस्परेटरी रेट) व आक्सीजन सेचुरेशन (पल्स आक्सीमीटर से) अवश्य नापें, यह 94 फीसद अथवा इससे अधिक होना चाहिए पर्याप्त मात्रा में हल्का गर्मध्गुनगुना पानी पियें उच्च रक्तचाप व किसी पुरानी बीमारी का उपचार चल रहा है तो उसे डाक्टर के परामर्श से जारी रखें।

प्रधान प्रतिनिधि व उनके सहयोगी की दबंगयी से ग्रामीण परेशान

साण्डा (सीतापुर)। बिकासखण्ड सकरन के ग्राम पंचायत दुगाना में आवारा पशुओं से क्षेत्र के किसान काफी परेशान हैं। जबकि ग्राम पंचायत में लगभग दो सौ से ढाई सौ आवारा पशु घूम रहे हैं। शासन के आदेशानुसार ग्राम प्रधान राजकुमारी और ग्राम बिकास अधिकारी अर्पित गुप्ता ने ग्राम पंचायत में जगह चिन्हित कर बांसों का घेरा बनाकर बाड़ा तो नियुक्त कर दिया लेकिन प्रधान प्रतिनिधि नीरज और उनके सहयोगी प्रेम यादव की दबंगई के चलते हुए जब कोई किसान आवारा पशुओं को एकत्रित कर के बाड़े में छोडने जाता तो उसको ग्राम प्रधान नीरज और सहयोगी प्रेम के द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करके उसको भगा दिया जाता। जबकि कुछ दिन पहले आवारा पशुओं से परेशान होकर ग्रामीणों ने जानवरों एकत्रित करके बिद्यालय में बंद कर दिया गया था।

जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पूर्व खण्ड बिकास अधिकारी रजनीश शुक्ला को दी थी। मौके पर पहुंचे खण्ड बिकास अधिकारी ने ग्रामवासयों को आश्वसन दिया गया था कि जल्द ही आवारा पशुओं से आप लोगों को निजात दिलाया जायेगा। इसके बावजूद खण्ड बिकास अधिकारी रजनीश शुक्ला का सकरन ब्लाक से तबादला हो गया था और सकरन ब्लाक की कमान आत्मप्रकाश रस्तोगी ने सम्हाली शानिवार को मीडियाकर्मी ग्राम पंचायत दुगाना के किसानों की समस्यायों को देखते हुए ग्राम पंचायत दुगाना गये थे। जहां ग्रामीणों ने अपना दर्द मीडियाकर्मियों को बताया कि ग्राम पंचायत में बाड़ा तो ग्राम बिकास अधिकारी और प्रधान के द्वारा बना दिया गया लेकिन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नीरज और उनके सहयोगी प्रेम यादव के द्वारा जब हम सब किसान आवारा पशुओं को छोडने बाड़े में जाते हैं तो हम लोगों को गालियों से नवाजा जाता है। जब इस सम्बन्ध में पूर्व प्रधान के पुत्र अमित जायसवाल ने आवारा पशुओं के निजात के लिए सहयोग करना चाहा तो प्रधान के सहयोगी प्रेम यादव ने अमित जायसवाल को फोन मिला कर गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी और साथ में मीडियाकर्मियों को आवारा पशुओं की खबर प्रकाशन ना करने की धमकी दे डाली लेकिन उच्च अधिकारियों द्वारा प्रधान प्रतिनिधि नीरज कुमार और सहयोगी प्रेम यादव पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। जिससे समस्त ग्रामवासी में रोष ब्याप्त है। जिससे ग्राम पंचायत दुगाना में आवारा पशुओं को लेकर कभी भी अप्रिय घटना हो सकती है।

भुखमरी से मर रहे गोवंश, उच्च अधिकारी नहीं ले रहे संज्ञान

साण्डा (सीतापुर)। सकरन ब्लाक की ग्राम पंचायत बगहाढाक में अस्थाई गौशाला निर्मित है। जहां ग्राम प्रधान सुनीता देबी ग्राम बिकास अधिकारी सन्तलाल पटेल और खण्ड बिकास अधिकारी आत्म प्रकाश रस्तोगी की लापरवाही के चलते हुए गौसाला में गौवंशों की हालत बहुत ही दयनीय है। लगभग आज पांच दिन हो गए गौवशों के खाने के लिये हरा चारा न ही भूसा ग्राम प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया। गोवंश को खाने के लिए भूसा और चारा ना मिलने की वजह से गोवंश कमजोर होकर बैठकर उठने में असमर्थ हो रहे। जबकि खंड विकास अधिकारी सकरन को अवगत कराया गया लेकिन अभी तक गोवंश के खाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई। जबकि सूघ्त्रों से मिली जानकारी के अनुसार गोवंशो के खाने के लिये चार लाख रुपये अभी जल्द में ही शासन द्वारा उपलब्ध कराये गये। शासन द्वारा मवेशियों के खाने के लिए जो पैसा आया उसको ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम प्रधान द्वारा बंदरबांट किया गया। जबकि सकरन संवाददाता द्वारा खंड विकास अधिकारी को ग्राम पंचायत बगहाढाक की गौशाला के गोवंश की स्थिति के बारे में जानकारी देने के बावजूद भी खंड विकास अधिकारी सकरन द्वारा संज्ञान नहीं लिया गया। जबकि गौशाला में कमजोर होकर के जो भी गोवंश बैठ जाते हैं और उनको कौवे नोच नोच के खा रहे हैं लेकिन ग्राम प्रधान ग्राम विकास अधिकारी डॉक्टर को बुलाकर गोवंश का इलाज करवाना भी उचित नहीं समझते। ग्राम प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी अभी तक भूसा और और हरा चारा कुछ भी उपलब्ध नहीं कराया। गोवंश भुखमरी से आए दिन मर रहे। सबसे चौंकाने वाली बात गौशाला में इस बात की है कि 4 से 5 मवेशी कमजोर होकर के बैठ गये। जिनको कौवे नोच करके आंख फोड़ दी लेकिन ग्राम प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी द्वारा डॉक्टर को बुला करके उनका इलाज करवाना भी उचित नहीं समझा गया। अगर ऐसा ही रहा तो आने वाले समय में बगहाढाक गौशाला में गोवंश का नामोनिशान खत्म हो जाएगा।

पत्रकार गौरव की मानद उपाधि से विभूषित हुए राम अनुज धर द्विवेदी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सोनभद्र के वरिष्ठ पत्रकार व मीडिया फोरम आफ इंडिया के का0 राष्ट्रीय अध्यक्ष मीथिलेश प्रसाद द्विवेदी के जन्मदिन पर हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राम मोहन पाठक पूर्व कुलपति नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय व राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक ओम प्रकाश तिवारी व राष्ट्रीय स्तर पर सोनभद्र का परचम लहराने वाली कवयित्री डा0 रचना तिवारी व बार कौंसिल आफ उ0प्र0 के सदस्य राकेश शरण मिश्र व राष्ट्रीय पार्षद राजेश द्विवेदी व आयोजक राजेश कुमार गोस्वामी की उपस्थिति में हुए मुसहीं फोर एस विद्यालय में सोमवार को हुए एक पत्रकारो के कार्यक्रम में राम अनुज धर द्विवेदी– अधिवक्ताध पत्रकार घोरावल सोनभद्र को पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु उपस्थित अतिथियों द्वारा पत्रकार गौरव की मानद उपाधि से विभूषित किया गया। यह आयोजन वरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी के 74वे जन्मदिन के अवसर पर आयोजित पत्रकार सम्मेलन के दौरान तमाम लोगों को सम्मानित किया गया।इसी क्रम में राम अनुज धर द्विवेदी को भी सम्मानित किया गया। प्रमाण पत्र, लेखनी, डायरी व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कोविड19 का पूर्णतया पालन करते हुए उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर विवेक पाण्डेय नंद किशोर राजकुमार, राजेश कुमार पाठक आदि लोग मौजूद रहे। संचालन वरिष्ठ पत्रकार भोला नाथ मिश्र ने किया।

टीकाकरण ही कोरोना कवच, वैक्सीनेशन ने ही रोंकी तीसरी लहर : डॉ इमरान अली

मेगा अभियान में 100 प्रतिशत वैक्सीनेशन का लक्ष्य

महोली (सीतापुर)। टीकाकरण महा अभियान की पहली वर्षगांठ पर कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के प्रकोप को देखते हुए विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग द्वारा नई गाइडलाइन जारी की गई है। जिले के डीएम विशाल भारद्वाज व सीएमओ मधु गैरोला के आदेश के तहत पूरे तहसील क्षेत्र में मेगा टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इसमें क्षेत्र के 15 वर्ष से ऊपर के लोगों का शत प्रतिशत टीकाकरण कराए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मेगा टीकाकरण के तहत डॉ इमरान अली ने कहा सरकार हर व्यक्ति की जीवन रक्षा के लिए पूर्णतया प्रतिबद्ध है। वैक्सीनेशन ही कोरोना का कवच है। वैक्सीनेशन का एक साल काफी बेमिसाल रहा है। टीकाकरण महाअभियान की पहली वर्षगांठ पर क्षेत्र के समस्त गांवों में डोर टू डोर शत प्रतिशत टीकाकरण कराए जाने के लिए मेगा अभियान चलाया जा रहा है। क्षेत्र में करीब 25 से 30 सेंटरों पर अलग.अलग टीमें लगाकर वैक्सीन लगवाई गई है। पहले दिन इसमें लगभग 4000 लोगों का टीकाकरण किया गया है। टीकाकरण के लिए प्रशासनिक व अन्य विभागों के अधिकारियों कर्मचारियों को भी स्वास्थ्य विभाग की टीमों के साथ सहयोग के लिए संबद्ध किया गया है। सरकार द्वारा सभी की जीवन रक्षा के लिए 100 प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस मेगा अभियान में सुधीर शुक्ला, बीसी पीएम आनंद पांडे, बीपीएम अखिलेश शुक्ला, एसडीएम, तहसीलदार विनोद सिंह, एडीओ पंचायत तमाम पंचायत सहायक एनएम आशा बहू आदि ने प्रमुख भूमिका निभाई।

मकर संक्रांति के अवसर पर अन्नपूर्णा सेवा संस्थान का खिचड़ी भोज कार्यक्रम आयोजित

सीतापुर। मकर संक्रांति के अवसर पर अन्नपूर्णा सेवा संस्थान का खिचड़ी भोज कार्यक्रम जेल रोड स्थित सरस्वती संगीत महाविद्यालय के सभागार में आयोजित हुआ। जिसके सापेक्ष में काव्य गोष्ठी तथा संगीत का कार्यक्रम आयोजित हुआ। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता महफूज रहमानी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सुरेश कुमार सिंह जेल अधीक्षक जिला कारागार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन यासीन इब्ने उमर ने किया। श्री कृष्णा कालेज प्रबंधक विवेक अग्रवाल, संस्थान संरक्षिका पुष्पा अवस्थी, यशोदा द्विवेदी, अध्यक्ष नवीन द्विवेदी व यश द्विवेदी आदि की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठड्ड पत्रकार पंकज सिंह गौर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष आशीष मिश्रा, मदर्स मदर्स प्राइड की मोनिका, कमलेश पांडे, गोपाल टंडन, बृजेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अशोक प्रजापति व लोकेंद्र आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर कवियों व शायरों व कलाकारों का हौसला बढ़ाया तथा खिचड़ी भोज का आनंद लिया।

कार्यक्रम के संयोजन में अभय श्रीवास्तव, हरीश गौड़, सुधीर राठौर की मुख्य भूमिका रही। इस अवसर पर अतिथियों के साथ.साथ यूपी महोत्सव में अन्नपूर्णा सेवा संस्थान का मान बढ़ाने वाले कवियों, शायरों व कलाकारों का संस्थान अध्यक्ष की नवीन द्विवेदी की ओर से सम्मान किया गया। इस अवसर पर एके मिश्र, केपी मिश्र, एपी गौतम, छाया त्यागी, नफीस सीतापुरी, जीएल गांधी, सुमन मिश्रा, नीतू यादव, वसी खैराबादी, राम किशोर श्रीवास्तव, प्रगति बाजपेई, सुनीता यादव, लक्ष्मी वर्मा आदि ने काव्य पाठ किया।

सभासद ने किया भंडारे का आयोजन,लोगों ने पाया प्रसाद

हरदोई।कृष्णनगरिया में आनंद त्रिपाठी के आवास पर भंडारे का आयोजन सभासद अमित त्रिवेदी रानू ने किया। जिसमे मुख्य रूप से विजय भाई मिश्रा,राधे श्याम पांडेय,उमाकांत पांडेय,अमित त्रिवेदी रानू,रामचन्द्र शुक्ला, रामदेव अवस्थी,धीरू मिश्रा,रजनीश त्रिपाठी, अतुल शर्मा,सतेंद्र सिंह, मोनू त्रिवेदी, हरि प्रताप सिंह,माधव बाजपेई, अतुल शर्मा,आत्मा राम मिश्रा,वाशु मिश्रा,आशु मिश्रा,नितिन मिश्रा, गोपेश दीक्षित आदि मोहहले वासी मौजूद रहे।

अस्थायी पशु बाड़ो में रखे गये पशुओं को जल्द से जल्द गौशालाओं में स्थानान्तरित किया जायेः जिलाधिकारी

किसानों को छुट्टा पशुओं की समस्या से निजात दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता में हैःअविनाश कुमार

हरदोई।विकास भवन स्थित स्वर्ण जयन्ती सभागार में जिलाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में गौ आश्रय स्थलों के सम्बन्ध में एक समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये है कि गौ शालाओं की व्यवस्था को बेहतर बनाया जाये, और 18 जनवरी तक वर्तमान गौशालाओं में अतिरिक्त टीन शेड बनाने का कार्य पूर्ण कर लिया जाये। अस्थायी पशु बाड़ो में रखे गये पशुओं को गौशालाओं में स्थानान्तरित किया जाये। 25 जनवरी तक चिन्हित स्थानों पर स्थायी पशु आश्रय स्थल का निर्माण कर लिया जाये। अस्थायी पशु बाड़ों में पशुओं को रखने पर हुए व्यय का भुगतान सम्बन्धित गौशाला से कराया जायेगा। उन्होने पशु चिकित्सा अधिकारियों तथा खण्ड विकास अधिकारियों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। खण्ड विकास अधिकारियों को सम्बन्धित ब्लाक के प्रधानों से निरन्तर सम्पर्क रखने के निर्देश दिये है। जो पशु पालक अपने पालतू पशुओं को छोड़ता है उसके विरूद्ध भी नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जाये। उन्होने कहा कि किसानों को छुट्टा पशुओं की समस्या से निजात दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता में है इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नही की जायेगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राना, जिला विकास अधिकारी एपी सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी जेएन पाण्डेय, समस्त विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिकाध्नगर पंचायत तथा पशु चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

सदर सांसद जय प्रकाश के लापता होने का लगा पोस्टर

हरदोई। जिले में जनप्रतिनिधियों के लापता होने से संबंधित पोस्टर अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। ये पोस्टर कभी आम जनता जारी करती है तो कभी विपक्षी दलों के नेता। इस बार हरदोई क्षेत्र के सांसद जयप्रकाश का पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पोस्टर में सांसद को लापता दर्शाया गया है। ये पोस्टर सदर विधानसभा क्षेत्र की उम्मीदवार दीपशिखा दीक्षित की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है। इससे पूर्व सांडी विधानसभा क्षेत्र की तत्कालीन विधायक राजेश्वरी देवी के लापता होने से संबंधित पोस्टर क्षेत्र की जनता ने वायरल किए थे, जिसके बाद भी जनप्रतिनिधियों ने सबक नही लिया। फिलहाल सोशल मीडिया पर लापता सांसद का यह पोस्टर तेजी के साथ वायरल हो रहा है जो चर्चा का विषय बना हुआ है।

विद्यापीठ में परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र के साथ वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र अनिवार्य

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में बैक/इंप्रूवमेंट की परीक्षा प्रारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

शक्तिनगर/सोनभद्र।महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी शक्तिनगर में 18 जनवरी से 28 जनवरी तक स्नातक स्तर की बैक व श्रेणी सुधार की परीक्षा दो पारियों में प्रारंभ हो रही है। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 10रू00 बजे से 11.30 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा अपरान्ह 02.00 बजे से 03.30 बजे तक होगी। संस्था के कार्यकारी निदेशक डॉ चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि कोविड–19 दिशानिर्देशों को ध्यान में रखकर यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा में परीक्षार्थीयों को कोविड नियमों का पूर्णरूपेण पालन करना होगा। प्रवेश पत्र के साथ कोविड टीकाकरण का प्रमाण पत्र साथ में लाना अनिवार्य होगा। परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर मास्क को लगाए हुए एक घंटा पूर्व पहुंचना तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना पड़ेगा। परीक्षा को बेहतर ढंग से संचालित करने हेतु अनुशासन समिति की दो टीम गठित की गई है। विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर जनसंपर्क समन्वयक डॉक्टर मानिक चंद पांडेय ने बताया कि प्रथम पाली की टीम में डॉ दिनेश कुमार, श्रीमती अजय लक्ष्मी, अभिषेक कुमार तथा डॉ अविनाश दुबे होंगे। द्वितीय पाली की परीक्षा में डॉ विनोद कुमार पांडे, डॉ प्रदीप कुमार यादव, डॉ मृत्युंजय पांडे तथा डॉक्टर निशा कुमारी की टीम होगी। इस परीक्षा में कुल 270 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। एनटीपीसी कैम्पस के छात्रों के अलावा अन्य कालेजों के परीक्षार्थी भी इस परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए रखते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी तथा शक्तिनगर थाना प्रभारी निरीक्षक को इस परीक्षा के बारे में सूचना दे दी गई है।

कोर्ट सम्मन

बदस्त आवाम फरोक्त के लिए
इत्तिलानामा बनाम रेस्पाडेण्ट बावत इत्तिला मुकर्ररह अपील
बअदालत बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी
मुकाम जिला–सिद्धार्थनगर
अपीलाण्ट
वीरेन्द्र नाथ आदि बनाम रामबक्स आदि
रेस्पाण्डेण्ट
अपील बनाराजी अदालम मुकाम
आदेश मोर्खा महीना– सन् 2021–22
अपील संख्या–06/2022
ता0 पेशी हाजिरी
दिनांकः 18.01.2022
बनाम
श्रीमती मीरा देवी पत्नी जयप्रकाश
ग्राम निवासी–चिउरहिया, तप्पा–नेतवर,
पर0–विनायकपुर, पोस्ट–लोटन, तह0–नौगढ़,
जिला–सिद्धार्थनगर।
रेस्पाण्डेण्ट
इत्तिला हो कि अपील बनाराजी डिग्री इस मुकमें मुसम्मी ने पेश किया और जो इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत ने ता0 18 महीना 01 सन् 2022ई0 वास्ते समायत तारीख मुकर्रर है। अगर खुद आप या आपके वकील या और कोई शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब करने का मजाज रखता हो हाजिर हो। यदि न हाजिर होते हैं तो उसकी समात तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा की जायेगी। आज बतारीख–11.01.2022ई0 को मेरे दस्तखत वो मोहर अदालत हाजा से जारी किया गया।

दस्तखत और मोहर
बन्दोबस्त अधिकारी/चकबन्दी अधिकारी,
जिला–सिद्धार्थनगर।

भाजपा के टिकट दावेदारो ने बढ़ाई मुश्किलें: 9 सीटों पर 108 दावेदार,बड़ी चुनौती

कानपुर। कानपुर की 9 विधानसभा सीटों में 108 दावेदारों के बाद भाजपा नेताओं के सामने सामंजस्य बैठाने की बड़ी चुनौती आ गई है। इन 9 विधानसभा में से पांच में वर्तमान विधायक हैं। ऐसे में किसी एक को टिकट मिलने के बाद बाकी दावेदारों को समझाना और उन्हें निष्ठा भाव से चुनाव में लगाना पार्टी के जिम्मेदारों के लिए आसान काम नहीं होगा। इनमें से चार विधानसभाओं में सीसामऊ,आर्य नगर,छावनी और बिल्हौर में कई नेता पिछले लंबे समय से आम जनता के बीच में सक्रिय रहकर विधायक बनने के सपने देख रहे हैं। इन चार विधानसभाओं में विद्रोह के सुर उठना स्वाभाविक होगा। टिकट फाइनल होने के बाद एक बार फिर भाजपा अपनों से जूझती नजर आएगी।

किसी दूसरे राजनीतिक दल की अपेक्षा भारतीय जनता पार्टी में सबसे ज्यादा दावेदार दिखाई पड़ रहे हैं। खासतौर से उन चार विधानसभा में जहां पर भाजपा विधायक नहीं है। उनमें दावेदारी को लेकर होड़ सी मची हुई है। कानपुर की 10 विधानसभाओं में से सात में भाजपा जीती थी। जिनमें बिल्हौर विधानसभा के विधायक भगवती प्रसाद सागर सपा ज्वाइन कर चुके हैं। इसके बाद बिल्हौर से भी दावेदारों की संख्या बढ़ती जा रही है। कानपुर की सभी 9 सीटों पर 108 दावेदार सामने आ चुके है। वही एकमात्र महाराजपुर विधानसभा में किसी ने भी दावा नहीं किया है। वजह साफ है,यहां से सात बार के विधायक और भाजपा के कद्दावर नेता सतीश महाना विधायक हैं।

सबसे ज्यादा दावेदार सीसामऊ,आर्यनगर और बिल्हौर से भाजपा के सबसे ज्यादा टिकट मांगने वाले सीसामऊ से है। यहां पर कुल 23 भाजपाइयों ने अपना दावा पेश किया है। सीसामऊ में पिछले विधानसभा चुनाव में बहुत कम मार्जिन मात्र अट्ठारह सौ वोटों से सुरेश अवस्थी सपा के इरफान सोलंकी से चुनाव हार गए थे। उनका दावा भी मजबूत माना जा रहा है। इसी तरह भाजपा से 22 टिकट मांगने वाले आर्यनगर विधानसभा से है। यहां भी भाजपा के सलिल विश्नोई सपा के अमिताभ बाजपेई से पराजित हुये थे। छावनी यानी कैंट विधानसभा में वर्तमान में कांग्रेस के सोहेल अंसारी विधायक है जहां भाजपा के विधायक रघुनंदन भदौरिया चुनाव हार गए थे यहां से भी टिकट के दावेदार चुनाव मैदान में आने को तैयार है। बिल्हौर विधानसभा से भगवती प्रसाद सागर सपा में जा चुके हैं तो ऐसे में 16 दावेदार यहां भी तैयार है।

पॉलीटेक्निक की सेमेस्टर परीक्षाएं बढ़ते कोरोना संक्रमण और चुनावी प्रक्रिया के चलते टली

कानपुर। 20 जनवरी से प्रस्तावित पॉलीटेक्निक विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं बढ़ते कोरोना संक्रमण और चुनावी प्रक्रिया के चलते टाल दी गई हैं। अब ये परीक्षाएं चुनाव परिणाम आने के चार दिन बाद यानी 15 मार्च से शुरू होंगी। परीक्षा को लेकर लखनऊ में एक अहम बैठक हुई। इसके बाद तस्वीर साफ हो गई। निदेशक प्राविधिक शिक्षा मनोज कुमार ने बताया कि स्टाफ के ज्यादातर लोगों की किसी न किसी रूप में चुनाव में ड्यूटी भी लगी है। ऐसे में परीक्षा टालना ही सही लगा। कहा कि सम सेमेस्टर की ऑनलाइन पढ़ाई 22 जनवरी से कराई जाएगी। इसके बारे में सचिव ने आदेश भी जारी कर दिया है।

सस्ती क्वालिटी का डाला गया केबिल

मिश्रित (सीतापुर)। देवगवां उपकेन्द्र में जर्जर एलटी लाइन को बदलने हेतु विद्युत ठेकेदार सस्ती क्वालिटी का केबिल डाला जा रहा है। जो अभी से कई बार जल चुका है। जेई उमाकांत त्यागी का कहना है कि ठेकेदार ने एलटी लाइन का जो कार्य बीहट गौर में कार्य किया है वह ठीक नहीं है। पिसावां व महोली ब्लाक में भी मनमाना कार्य कर रहे हैं। काम करने वाले कोई बात सुनते नहीं है। इतनी ठंड के बावजूद भी एबीसी केबिल जल रही है।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2012/49458
संस्थापकः- स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

डार्क सर्कल छुपाने के लिए लगा रहीं हैं कंसीलर तो जानिए कैसे करना है सही इस्तेमाल?

आज के समय में लड़कियों के लिए सबसे बड़ी समस्या है डार्क सर्कल। इन्हे छुपाने के लिए लोग तरह–तरह के जतन करते हैं और खासकर लडकियां। हालाँकि कई बार कई जतन करने के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। ऐसे में आज हम आपको कुछ ब्यूटी टिप्स देने जा रहे हैं जो आपकी इस समस्या को कम कर देंगे और आपको खूबसूरत दिखाएंगे।

पूरे चेहरे पर न लगाएं कंसीलर– जी दरअसल कंसीलर बहुत जरूरी है डार्क सर्कल और झाइयों को छुपाने के लिए, हालाँकि इसे पूरे चेहरे पर लगाने की जरूरत भी नहीं है। जी दरअसल यह आपको सिर्फ उसी जगह पर लगाना चाहिए जहां आपके चेहरे में दिक्कत है। सबसे खास तौर पर आंखों के नीचे और होठों के आस–पास। आप चाहे तो इसके अलावा अगर आपके चेहरे पर कोई डार्क एरिया है तो वहां भी आप इसे लगा सकती हैं। क्या सही तरीका है इस्तेमाल का?– मेकअप आर्टिस्ट के अनुसार थोड़ा सा कंसीलर अपने हाथों पर लगाकर छोटे–छोटे डॉट्स के आकार में अपनी आंखों के नीचे लगाएं और उसके बाद ब्यूटी ब्लेंडर की मदद से इसे स्किन में डैब करें।

बाहर अधिक ना लगाए– अगर आप बहुत कंसीलर का इस्तेमाल करती हैं तो यह आपके चेहरे को खराब कर सकता है। ऐसे में आपके डार्क सर्कल छुपाने के लिए थोड़ा सा कंसीलर काम आ जाएगा तो बहुत ज्यादा की जरूरत नहीं है। जी दरअसल बहुत ज्यादा कंसीलर इस्तेमाल करने पर आपकी स्किन ज्यादा डार्क दिखेगी और इसके अलावा, आप अपने चेहरे पर मेकअप करने के बाद सेटिंग स्प्रे जरूर लगाएं।

कब लगाए – मेकअप करना शुरू करने से पहले अच्छे फेसवॉश से अपने चेहरे को धोएं और उसके बाद मॉइश्चराइज करें। अब इसके बाद इसमें प्राइमर लगाएं और उसके बाद अगला स्टेप होगा कंसीलर लगाने का। जी दरअसल कंसीलर आपकी आंखों के नीचे और चेहरे के उन हिस्सों पर लगाएं जहां ज्यादा कालापन दिखता है और इसके बाद थोड़ा सा फाउंडेशन लेकर ब्यूटी ब्लेंडर से स्किन टोन को एक जैसा करने की कोशिश करें।

सुभाष घई के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं फ्लोरा सैनी

फ्लोरा सैनी आगामी फिल्म 36 फार्महाउस में सुभाष घई के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए, फ्लोरा ने कहा कि यह एक सपना के सच होने जैसा है। कोई भी मुंबई आता है वह बड़े लोगों और ऐसे लोगों के साथ

काम करना चाहता है जिनकी फिल्में देखकर वह बड़ा हुआ है। सुभाष घई सर उन नामों में से एक है। मैं हमेशा चाहती थी कि मैं उनके साथ काम कर सकूं ।

फ्लोरा ने कहा कि घई न केवल अपनी नायिकाओं को खूबसूरत बनाते हैं, बल्कि अपने अभिनेताओं के लिए □श्य भी बनाते हैं और इससे उन्हें अपने अभिनय कौशल को सुधारने में मदद मिलती है। उनका यह तरीका हमारे काम को बहुत आसान बनाता है। हाल के दिनों में फ्लोरा जिन कुछ परियोजनाओं का हिस्सा रही हैं, उनमें फरहान अख्तर की इनसाइड एज 2, नागेश कुकुनूर की राजनीतिक ड्रामा वेब सीरीज सिटी ऑफ ड्रीम्स, उत्सव की फिल्म माया (जहां फ्लोरा ने एक मिस्ट्री वुमन की भूमिका निभाई है) शामिल हैं। चरित्र) और मातृभूमि नामक एक लघु फिल्म में भी उन्होंने काम किया है।

फ्लोरा ने कहा कि यह उद्योग में काम करने का सबसे अच्छा समय है क्योंकि विभिन्न फिल्म निर्माता विभिन्न विषयों पर फिल्में बना रहे हैं और हमारी भारतीय फिल्में विश्व सिनेमा के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मेरे पास ऐसे लोग हैं जो विभिन्न प्रकार की भूमिकाओं के लिए मुझ पर भरोसा करते हैं, जो मेरे व्यक्तित्व से बहुत अलग हैं। 36 फार्महाउस की स्टार कास्ट में संजय मिश्रा, विजय राज, अमोल पाराशर, बरखा सिघ, फ्लोरा सैनी, अश्विनी कालसेकर, लीजा सिंह, के.के. गौतम और प्रदीप वाजपेयी। राम रमेश शर्मा द्वारा निर्देशित, यह 21 जनवरी को जी5 पर रिलीज के लिए तैयार है।

सर्दी में गाजर खाने से होते हैं चौकाने वाले फायदे

गाजर खाना बहुत कम लोगों को पसंद होता है लेकिन ठंड के दिनों में गाजर बहुत बेहतरीन होती है। ऐसे में इसे खाने से कई चौकाने वाले फायदे होते हैं और आज हम आपको उन्ही फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं गाजर के फायदे। गाजर के फायदे– माइग्रेन के दर्द से राहत– माइग्रेन से राहत दिलाने में गाजर लाभकारी है। इसके लिए इसके पत्तों को घी से चुपड़कर गर्म करके उनका रस निकालकर 2–3 बूंद नाक और कान में डालने से दर्द से राहत मिलती है। आँखों के लिए– गाजर आँखों को स्वस्थ रखने में मदद करती है। जी हाँ, इसके लिए आप 250 ग्राम सौंफ को साफ करके कांच के पात्र में रखें, उसके बाद इसमें बादामी रंग की गाजरों के रस दें। वहीं सूख जाने के बाद 5 ग्राम रोज रात में दूध के साथ सेवन करने से आँखों की रोशनी बढ़ती है। मुंह के रोगों में फायदेमंद – गाजर का औषधीय गुण मुँह के रोगों में फायदेमंद होता है। ऐसे में गाजर के ताजे पत्तों को चबाने से मुँह का अल्सर, मुख में दुर्गंधI, दांत के जड़ से ब्लीडिंग होने तथा पूयस्राव (पस डिस्चार्ज) में लाभ मिलता है। खांसी – खांसी से परेशान है तो गाजर से इसका इलाज किया जा सकता है। इसके लिए गाजर के 40–60 मिली रस में चीनी तथा काली मिर्च के चूर्ण को डालकर सेवन करने से कफ निकलने लगता है जिससे कफ संबंधी समस्या से राहत मिलती है। एनीमिया – खून में लौह की कमी होने के कारण लाल रक्तकण नहीं बन पाते हैं, जो एनीमिया होने का कारण होता है। ऐसे में गाजर को कद्दूकस कर दूधI में उबालकर खीर की तरह खाने से हृदय को ताकत मिलती है, खून की कमी मिटती है।

बच्चे, भविष्य के लिए हमारी इच्छा का बहुत बड़ा हिस्साःप्रियंका चोपड़ा

बालीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपनी फैमिली प्लानिंग पर बड़ी बात कही है। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास 2018 में शादी के बंधन में बंधे थे। ऐसे में कई बार इनके फैमिली शुरू करने पर सवाल उठ चुके हैं। कपल ने भी कई बार फैमिली प्लानिंग पर अपनी बात रखी है।

प्रियंका चोपड़ा ने भविष्य में मां बनने के अपने प्लान के बारे में बात की है। बच्चों को लेकर अपनी प्लानिंग पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा कहती हैं– श्बच्चे, भविष्य के लिए हमारी इच्छा का बहुत बड़ा हिस्सा हैं। भगवान की कृपा से जब जो होता है, होता है।य लेकिन, जब उनसे कहा कि वह और निक जोनास बहुत ही व्यस्त लाइफस्टाइल जीते हैं। तो प्रियंका कहती हैं– श्नहीं, हम प्रेक्टिस करने में बहुत व्यस्त नहीं हैं।य प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि कैसे वह और पति निक जोनास जब भी ऐसा होता है तो अपनी जिंदगी में बदलाव लाने के लिए तैयार रहते हैं। इससे पहेल 2019 में भी प्रियंका चोपड़ा ने अपना परिवार आगे बढ़ाने पर बात की थी। एक्ट्रेस पहले ही बोल चुकी हैं कि घर खरीदना और बच्चे मेरी टू–डू लिस्ट में हैं। मेरे हिसाब से घर वहीं है, जहां आप खुश हैं। जब तक मेरे अगल–बगल वे लोग हैं, जिन्हें मैं प्यार करती हूं। यही नहीं, निक जोनास ने भी बच्चों को लेकर अपना लगाव जाहिर किया था और कहा था कि श्मुझे उम्मीद है कि हमारे भी बच्चे होंगे।य मालूम हो ?कि प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास इन दिनों अपने–अपने काम को लेकर बेहद व्यस्त चल रहे हैं, लेकिन इतनी व्यस्तता के बाद भी दोनों एक–दूसरे को टाइम देना नहीं भूलते। अक्सर दोनों की लवी–डवी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। खास मौकों पर यह प्रियंका और निक हमेशा साथ होते हैं। लेकिन, बीते दिनों प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास की तलाक की खूब चर्चाएं रहीं। ये सब प्रियंका चोपड़ा के अपने इंस्टाग्राम बायो में बदलाव करने के बाद हुआ। हालांकि, अफवाहों पर बाद में प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा ने प्रतिक्रिया दी थी और इन खबरों को गलत बताया था।

आर्या के लिए मेकर्स की पहली पसंद थीं रवीना

सुष्मिता सेन की सीरीज आर्या को काफी पसंद किया गया था। हाल में सीरीज का दूसरा सीजन रिलीज हुआ है। आर्या 2 में भी सुष्मिता के अभिनय को अच्छी प्रतिक्रिया मिली। अब इस सीरीज को लेकर एक दिलचस्प जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो आर्या के लिए सुष्मिता नहीं, बल्कि दिग्गज अभिनेत्री रवीना टंडन पहली पसंद थीं। यह सीरीज पहले रवीना को ऑफर की गई थी, जिसे उन्होंने रिजेक्ट कर दिया था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आर्या के लिए रवीना मेकर्स की पहली पसंद थीं। एक सूत्र ने बताया, यह सत्य है। नेटफ्लिक्स और राम माधवानी आर्या के लिए रवीना को लेना चाहते थे। इसको लेकर बातचीत तब चली थी, जब ऑरिजनल स्क्रिप्ट को एक फीचर फिल्म से एक वेब सीरीज में तब्दील कर दिया गया था। निर्देशक माधवानी और नेटफ्लिक्स रवीना को आर्या सरीन की भूमिका देने के लिए उत्सुक थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, माधवानी ने सुष्मिता को आर्या ऑफर करने से पहले अभिनेत्री काजोल को भी अप्रोच किया था। उन्होंने काजोल को इस सीरीज की कहानी भी सुनाई थी। खबरों की मानें तो अभिनेत्री ने इस सीरीज में काम करने के लिए अपनी हामी भी भर दी थी। हालांकि, आखिरी मौके पर काजोल ने इस सीरीज में काम करने से मना कर दिया था। काजोल ने यह ऑफर ठुकराने का कारण निजी बताया था।

आर्या से सुष्मिता ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू किया था। इस सीरीज में अभिनय के लिए सुष्मिता को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर का ओटीटी अवॉर्ड भी दिया गया था। आर्या एक डच ड्रामा सीरीज पेनोजा का हिन्दी रुपांतरण है। इसके पहले सीजन में कुल नौ एपिसोड थे। पहले सीजन में सुष्मिता ने एक खुशहाल शादीशुदा महिला आर्या सरीन की भूमिका निभाई थी। उसकी दुनिया तब बदल जाती है, जब उसके पति की गोली मारकर हत्या कर दी जाती है।

आर्या 2 10 दिसंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आई है। आठ एपिसोड की यह सीरीज वहीं से शुरू हुई, जहां से पहला सीजन खत्म हुआ था। सीरीज में अंकुर भाटिया, जंयत कृपलानी, विकास कुमार, विश्वजीत प्रधान और सिकंदर खेर जैसे कलाकार नजर आए हैं। रवीना ने हाल में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू किया है। वह अपनी पहली वेब सीरीज अरण्यक में नजर आई हैं। जल्द ही इसका दूसरा सीजन आने वाला है। रवीना के फिल्मी करियर की बात करें तो वह 90 के दशक की सदाबहार अदाकारा रही हैं। मोहरा, दिलवाले, लाडला, जिद्दी, अंदाज अपना अपना, शूल, दमन और सत्ता जैसी फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय का जादू बिखेरा है। उन्हें कई रियलिटी शोज में बतौर मेहमान भी देखा गया है।

रणवीर ने अपनी फिल्म की तुलना कभी खुशी कभी गम से की

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह बॉलीवुड के एक जाने माने अभिनेता हैं, जो मूवीज में अपनी दमदार अभिनय से लोगों का

खूब दिल जीतते आए हैं। हाल ही में रणवीर ने अपनी आने वाली मूवील्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की तुलना श्कभी खुशी कभी गमश्य से कर दी है। रणबीर सिंह ने कहा है कि मूवी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी एकदम करण जौहर स्टाइल की मूवी होने वाली है। जैसे कि कभी खुशी कभी गम। जिसमे सब कुछ देखने को मिलने वाला है। करण जौहर स्टाइल के गाने, ग्लैमर, बेहतरीन दिखने वाले कैरेक्टर्स, फैमिली, ड्रामा और ह्यूमर होने वाला है। मूवी पर अभी तक काफी अमेजिंग काम हुआ है और फिल्म 60 फीसद तक पूरी हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार करण जौहर के निर्देशन में बन रही मूवी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर सिंह,आलिया भट्ट, शबाना आजमी, जया बच्चन और धर्मेन्द्र दिखाई देने वाले है। इस मूवी के माध्यम से करण जौहर लंबे समय के उपरांत निर्देशन में कमबैक कर रहे हैं।